साध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–233 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 11 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" समय वही देता है जो तुम्हारे लिए सर्वोत्तम होता है।..!!

अज्ञात...

शिक्षा के प्रकाशस्तंभ अभिषेक खंडेलवाल को 'श्रेष्ठ प्राचार्य' सम्मान

अमिटी विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस एवं सिल्वरजोन ओलंपियाड द्वारा संयुक्त रूप से सम्मान से किया अलंकृत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शिक्षा के क्षेत्र में 27 वर्षों की अनवरत साधना, नेतृत्व और नवाचार के लिए प्रख्यात शिक्षाविद् अभिषेक खंडेलवाल को देश की तीन प्रतिष्ठित संस्थाओं अमिटी विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस एवं सिल्वरजोन ओलंपियाड द्वारा संयुक्त रूप से 'श्रेष्ठ प्राचार्य' सम्मान से अलंकृत किया गया है। रॉयल किड्स कॉन्वेंट सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में संस्था के निदेशक संजय बहादुर सिंह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि राजनांदगांव के शैक्षणिक जगत के लिए गौरव का क्षण है।

27 साल का शैक्षणिक सफर बना मिसाल

श्री खंडेलवाल ने अपने करियर की शुरुआत रॉयल किड्स कॉन्वेंट से की थी, जहां उन्हें प्रख्यात शिक्षाविद् संस्थापक डॉ. जे.बी. सिंह ने पहला नियुक्ति पत्र दिया था। वे इसे अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट मानते हैं। इंदौर और कोटा जैसे शिक्षा के बड़े केंद्रों में भी उन्होंने विद्यार्थियों के कैरियर मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी कायर्शैली में अनुशासन के साथ मानवीय संवेदना, नैतिक मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व का समन्वय दिखता है। वे विद्यार्थियों में केवल अंक नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की भावना विकसित करने में विश्वास रखते हैं।

CBSE ट्रेनर, एफिलिएशन संयोजक और SQAAF ऑडिटर

श्री खंडेलवाल उइरए के अधिकृत प्रशिक्षक हैं और देशभर के शिक्षकों व प्राचार्यों को नई शिक्षा नीति, अक आधारित शिक्षा, कक्षा प्रबंधन और लीडरशिप पर प्रशिक्षण देते हैं। इसके साथ ही वे एफिलिएशन समिति के संयोजक और रदअअऋ ऑडिटर के रूप में स्कूलों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और बोर्ड नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

सम्मान का श्रेय गुरुजनों को दिया

सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री खंडेलवाल ने कहा कि यह सम्मान उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उनके माता-पिता, गुरुजनों और मार्गदशर्को का है। उन्होंने पप्पाजी लाल शंकर बहादुर सिंह, डॉ. जे.बी. सिंह और पूरे सिंह परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। वतर्मान में वे रॉयल किड्स कॉन्वेंट में निदेशक संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह और अध्यक्ष डॉ. सविता जे.बी. सिंह के मार्गदर्शन में संस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

शहर में हर्ष का माहौल

इस उपलब्धि पर शाला प्रबंधन समिति अध्यक्षा डॉ. सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, जन्मेजय बहादुर सिंह, राहुल देव चौधरी, डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल स्कूल की प्राचार्या एकता खंडेलवाल, बर्सर डॉ. इंद्र कुमार वैष्णव, उपप्राचार्या डॉ. ममता मिश्रा, प्रधान पाठिका सरिता सिंह सहित समस्त शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा जगत ने बधाई दी है।

CISF कैंप में राइफल साफ करते हुए चली गोली, प्रधान आरक्षक की मौत

सर्विस राइफल की सफाई के दौरान अचानक 2 राउंड फायर हो गए

नई दृष्टिबिंदु / दंतेवाड़ा

जिले के बचेली स्थित उकरऋकैंप में सर्विस राइफल की सफाई के दौरान अचानक 2 राउंड फायर हो गए। सीने में गोली लगने से प्रधान आरक्षक दत्तात्राया गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अपोलो अस्पताल बचेली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जवान महाराष्ट्र के अहिल्यानगर के रहने वाले थे और बचेली कैंप में पदस्थ थे। मामला बचेली थाना क्षेत्र का है। गौरतलब है कि 9 दिन पहले ही खैरागढ़ में उअऋ जवान ने थप्पड़ मारने पर साथी जवान की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 3 घंटे में पुलिस ने पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना बसंतपुर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को रिपोर्ट दर्ज होने के महज 3 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। आरोपी करण यादव (21), पिता ओमप्रकाश यादव, निवासी चौखड़ियापारा, थाना बसंतपुर का है। प्राथिर्या ने 9 सितंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी ने नाबालिग होने की जानकारी के बावजूद पीड़िता से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। अपराध से बचने के लिए आरोपी ने उसी दिन पीड़िता से विवाह भी कर लिया। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 416/2026, धारा 65(1), 87 बीएनएस और धारा 4 पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी अंकिता शर्मा, एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी वैशाली जैन के निर्देशन में थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया, जिसने पूछताछ में अपराध स्वीकार किया। इस कारर्वाई में सउनि डेमिन साहू, प्रआर किशोर यादव, कुश बघेल और ललित रावटे की सराहनीय भूमिका रही।

छह वर्षीय बालिका से दुष्कर्म–हत्या मामले में आरोपी को मृत्युदंड

नवरात्रि के दिन बच्ची की रेप के बाद कर दी थी हत्या

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मोहन नगर थाना क्षेत्र में 6 वर्ष 3 माह की मासूम से दुष्कर्म और हत्या के दिल दहला देने वाले मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी सोमेश यादव (24 वर्ष, निवासी ओम नगर, उरला, वार्ड-58) को ₹विरलतम से विरलतम₹ अपराध मानते हुए दोहरी फांसी की सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश चतुर्थ एफटीएससी पॉक्सो कोर्ट दुर्ग ने 10 सितंबर 2026 को फैसला सुनाते हुए आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 5(ड), 5(ढ) सहपठित धारा 6(1) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 65(2) में मृत्युदंड और 5-5 हजार रुपये अथर्दंड, जबकि बीएनएस की धारा 238(क) में 5 साल सश्रम कारावास और 1000 रुपये जुर्माने से दंडित किया है। कोर्ट ने पीड़ित परिवार को 7 लाख रुपये प्रतिकर देने का भी आदेश दिया है। मृत्युदंड की पुष्टि के लिए प्रकरण हाईकोर्ट बिलासपुर भेजा जाएगा।

भौतिक, जैविक, चिकित्सकीय और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित कर वैज्ञानिक परीक्षण के लिए भेजा गया। सभी रिपोर्टों को आपस में जोड़कर चाजर्शीट कोर्ट में पेश की गई। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक रूपवर्षा दिल्लीवार ने प्रभावी पैरवी की, जिसके चलते आरोपी को सजा हुई।

7 लाख रुपए क्षतिपूर्ति का निर्देश

न्यायालय ने मृतिका के परिजनों को राज्य सरकार की आहत प्रतिकर योजना के तहत 7 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति प्रदान किए जाने का निर्देश भी दिया है।

क्या था पूरा मामला

6 अप्रैल 2025 को थाना मोहन नगर में 6 साल की बच्ची के लापता होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल पतासाजी शुरू की। तकनीकी और मैदानी सूचनाओं के आधार पर तलाश के दौरान बच्ची एक वाहन से बरामद हुई। पुलिस तत्काल उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया।

वैज्ञानिक विवेचना बनी सजा का आधार

एसपी दुर्ग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मश्री तंवर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की थी। विवेचक निरीक्षक शिव चंद्रा ने केस की जांच की। पुलिस ने इस केस को केवल बयानों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि वैज्ञानिक साक्ष्यों से मजबूत बनाया

* घटनास्थल का नजरी नक्शा और सूक्ष्म साक्ष्य संकलन
* आरोपी के कपड़े, मृतिका के जैविक नमूने, स्वाब, बाल, नाखून जप्त
* आरोपी और मृतिका के DNA सैंपल का मिलान
* CCTV फुटेज और DVR जब्त कर FSL भेजा गया
* मेमोरेंडम के आधार पर वस्तुओं की बरामदगी

पड़ोस में खड़ी कार से बरामद हुआ था शव

पुलिस को जब बच्ची के लापता होने की जानकारी मिली तब उसकी खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान बच्ची का शव पड़ोस में ही खड़ी एक कार से बरामद हुआ था। बच्ची के शरीर पर चोट और खरोंच के निशान थे। इस घटना के बाद मोहल्ले के आक्रोशित लोगों ने कार में तोड़फोड़ और आगजनी कर दी थी। इस मामले में आरोपी चाचा समेत तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था। पोस्टमार्टम की प्राथमिक रिपोर्ट में बच्ची के साथ दुष्कर्म की बात सामने आई थी। इसके बाद पुलिस ने मृतक बच्ची के शरीर से लिए गए सैम्पल और आरोपी के डीएनए जांच समान होने के बाद आरोपी की पुष्टि कर ली थी। लगभग 18 महीने के फास्ट्रैक कोर्ट में ट्रायल के बाद अब फैसला आया है।

वार्ड आरक्षण के बाद भिलाई पहुंचे AAP के छत्तीसगढ़ प्रभारी मुकेश अहलावत

चुनावी रणनीति पर हुई बैठक

राजनीतिक समीकरणों, चुनावी रणनीति और संगठन विस्तार पर विस्तार से चर्चा हुई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर निगम भिलाई में वार्ड आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं दिल्ली के विधायक मुकेश अहलावत भिलाई दौरे पर पहुंचे। इस दौरान नगरीय निकाय चुनाव और सदस्यता अभियान को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आरक्षण के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों, चुनावी रणनीति और संगठन विस्तार पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में भिलाई नगर चुनाव प्रभारी डॉ. एस.के. अग्रवाल, जिला कायर्कारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह, प्रदेश सचिव के. ज्योति सहित कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नए वार्ड आरक्षण के परिप्रेक्ष्य में चुनाव की विशेष रणनीति तैयार की गई। इस दौरान कई छाया पाषर्दों ने आगामी चुनाव लड़ने के लिए अपनी दावेदारी भी पेश की। प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत ने कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने के टिप्स दिए और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं व अधिकारों के लिए संघर्ष का आह्वान किया।

नुआखाई, महाअष्टमी और गोवर्धन पूजा पर स्थानीय अवकाश घोषित

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर द्वारा रायपुर जिले में तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। यह अवकाश राजधानी स्थित शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं में लागू होंगे। जारी आदेश के अनुसार 15 सितंबर 2026 मंगलवार को नुआखाई पर्व, 19 अक्टूबर 2026 सोमवार को महाअष्टमी और 9 नवंबर 2026 सोमवार को गोवर्धन पूजा (दीपावली के दूसरे दिन) पर स्थानीय अवकाश रहेगा।

राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव ने देखी फिल्म 'हनुमान अंश'

मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित जोरा मॉल के सिनेमाघर में सपरिवार फिल्म 'हनुमान अंश' देखी। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी सपरिवार उपस्थित रहे। मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा विभिन्न निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षों ने भी फिल्म देखी।

फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा से समाज को परिचित कराने वाली ऐसी प्रेरणादायी फिल्में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचनी चाहिए। फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने से प्रदेश के अधिकाधिक दशर्कों, विशेषकर युवाओं को भारत की समृद्ध संत परंपरा और उसके जीवन मूल्यों को जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सत्य, सेवा, करुणा, प्रेम और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया है। संतों ने अपने जीवन और आचरण के माध्यम से समाज को मानवता और लोककल्याण का संदेश दिया है। नीम करौली बाबा का जीवन भी इसी महान परंपरा का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनका जीवन हमें यह सीख देता है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीम करौली बाबा ने अत्यंत सरल शब्दों और सहज जीवन के माध्यम से प्रेम, सेवा और भक्ति का संदेश दिया। उनके विचारों में मानवता और सभी के प्रति समान भाव सर्वोपरि रहा। उनका यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है और समाज को सकारात्मक दिशा देने की सामर्थ्य रखता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म के निर्माताओं, निर्देशक, कलाकारों एवं पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज तक विचार, संस्कार और प्रेरणा पहुंचाने का भी प्रभावी माध्यम है। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा पर आधारित सकारात्मक फिल्में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति उसकी हजारों वर्षों पुरानी परंपराओं और जीवन मूल्यों में निहित है। सेवा, करुणा, सद्भाव और मानव कल्याण जैसे मूल्यों को आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 'हनुमान अंश' जैसी फिल्में इन मूल्यों को सरल और प्रभावी रूप में समाज तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास हैं। उल्लेखनीय है कि फिल्म 'हनुमान अंश' नीम करौली बाबा के जीवन, आध्यात्मिक यात्रा और उनके सेवा एवं भक्ति के संदेश पर आधारित है। इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, विभिन्न निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोग और कार्य-दक्षता बढ़ाने दिया जोर

o

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर-एलएंडडी विभाग द्वारा कार्यस्थल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्यएआई एट वर्कप्लेसह्ल विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 7 सितंबर को भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर (बीएमडीसी) में किया गया। कार्यक्रम में एचआर-एलएंडडी के कमर्चारियों के अलावा ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस सहित 23 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कायर्पालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने किया। उन्होंने बदलते कार्य परिवेश में एआई संबंधी कौशल को निरंतर विकसित करने और नई तकनीकों के साथ स्वयं को अद्यतन रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं की रचनात्मकता, डिजिटल दक्षता और नई तकनीकों को सीखने की उत्सुकता का लाभ उठाने के लिए कमर्चारियों को प्रेरित किया। महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष (एचआर-एलएंडडी) संजीव कुमार श्रीवास्तव ने विभाग में एआई के उपयोग से संचालित विभिन्न पहलों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने एआई आधारित कार्यों और परियोजनाओं की प्रगति साझा करते हुए कमर्चारियों में एआई दक्षता विकसित करने की आवश्यकता बताई।

प्रशिक्षुओं ने दिखाए एआई आधारित प्रोजेक्ट

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण ह्यएआई-आधारित प्रोजेक्ट शोकेसह्ल रहा। इसमें बीएमडीसी में पदस्थ ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस ने एआई टूल्स की मदद से तैयार किए गए विभिन्न व्यावहारिक कार्यों और परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षुओं ने कार्यस्थल की समस्याओं के समाधान, कार्यों के स्वचालन और कार्य-दक्षता में सुधार के लिए एआई के उपयोग का प्रदर्शन किया। एआई आधारित परियोजनाओं का प्रदर्शन वैभव लक्ष्मी दुबे, नितिन पटेल, कावेरी सिंधे, महिमा ठाकुर, रिया गृतलहरे, गोकुल दास साहू एवं डिकेश्वरी साहू ने किया। प्रशिक्षण के दौरान नवीनतम एआई टूल्स और उनके कार्यस्थलीय उपयोग की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रदर्शन एवं अभ्यास के माध्यम से विभिन्न एआई टूल्स की कार्यप्रणाली समझी और दैनिक कार्यों में उनके उपयोग की संभावनाओं से परिचित हुए। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक के. शिवा ने किया। महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सौरभ वार्ष्णेय ने आभार व्यक्त किया।

डीएमसी तालाब के पास गांजा बेचने ग्राहक तलाश रहे दो बालक पकड़े गए

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी।

1.368 किलो गांजा और 1 हजार रुपए नकद जब्त, किशोर न्याय बोर्ड में पेश

डीएमसी तालाब के पास गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे दो विधि से संघर्षरत बालकों को कुम्हारी पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने उनके कब्जे से 1.368 किलोग्राम गांजा और 1 हजार रुपए नकद बरामद किया। जब्त गांजे की कीमत करीब 68 हजार 400 रुपए बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 9 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डीएमसी तालाब के पास दो संदिग्ध मादक पदार्थ लेकर ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास पॉलिथिन में रखा गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा और नकदी को नियमानुसार जब्त कर दोनों के खिलाफ धारा 20(ख)(क्क)(इ) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की। वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को उसी दिन शाम 4 बजे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया। किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोनों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई में कुम्हारी थाना पुलिस एवं संबंधित स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खास खबर

12 सितंबर को भिलाई में सेवा, खेल और सनातन संस्कृति का संगम, श्रीराम जन्मोत्सव समिति करेगी भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा 12 सितंबर 2026 को भिलाई में सामाजिक सरोकार, खेल और सनातन संस्कृति से जुड़े दो भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह युवाओं एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ह्यरन भिलाई रन झ्र द स्टील सिटी रनह्ल मैराथन का आयोजन होगा, वहीं शाम को सेक्टर-9 चौक में विशाल भगवा ध्वज का भव्य ध्वजारोहण किया जाएगा। समिति की युवा शाखा के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित मैराथन की शुरुआत सुबह 6 बजे आई लव भिलाई चौक, सिविक सेंटर से होगी। 5 किलोमीटर की इस मैराथन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 1500 पुरुष एवं महिला प्रतिभागी शामिल होंगे। पुरुष एवं महिला वर्ग के विजेताओं के लिए अलग-अलग नकद पुरस्कार रखे गए हैं। इसके साथ ही आयोजन में पहुंचने वाले लोगों के लिए लकी ड्रॉ भी रखा गया है, जिसमें साइकिल, ट्रॉली बैग, स्कूल बैग, टिफिन बॉक्स सहित अनेक उपहार दिए जाएंगे।

मैराथन का विशेष आकर्षण दुर्ग के छात्रावासों में रहने वाले आदिवासी एवं अनाथ बच्चे होंगे। ह्यनक्सल मुक्त बस्तरह्ल की सकारात्मक भावना के साथ इन बच्चों के लिए 100 एवं 200 मीटर की विशेष दौड़ आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें खेलों से जोड़ने और बस्तर की बदलती तस्वीर का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा।

तत्पश्चात शाम को श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा भिलाई-दुर्ग में सनातन आस्था का एक और भव्य आयोजन किया जाएगा। सेक्टर-9 चौक में शाम 4:30 बजे विशाल 51 फीट ऊंचे भगवा ध्वज का ध्वजारोहण किया जाएगा। हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ एवं महाआरती के साथ भगवा ध्वज फहराकर रामभक्ति की ज्योति प्रज्ज्वलित की जाएगी। समिति ने भिलाई-दुर्ग सहित आसपास के क्षेत्रवासियों, युवाओं, मातृशक्ति एवं सनातन धर्मावलंबियों से दोनों आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक होने एसएसपी ने किया आह्वान

500 से अधिक विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए उपाय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

कल्याण महाविद्यालय में साइबर जागरूकता कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ पुलिस के 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने 10 सितंबर को कल्याण महाविद्यालय, भिलाई में साइबर अपराध एवं डिजिटल सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुपमा अस्थाना, प्रभारी छात्रसंघ डॉ. ईश्वर सिंह बरगाह, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साइबर क्राइम के नोडल अधिकारी डॉ. संकल्प राय ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल व मैसेज, संदिग्ध लिंक, सोशल मीडिया अपराध और डिजिटल लेन-देन में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी भय, लालच या विश्वास का फायदा उठाकर लोगों से गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास करते हैं। ऐसे में अनजान लिंक, दफ्कोड और ऑनलाइन ऑफर से सावधान रहने की जरूरत है।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों से OTP, UPI PIN, ATM PIN, CVV, पासवर्ड और बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी से साझा नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी ऑनलाइन लेन-देन से पहले संबंधित व्यक्ति या संस्था का सत्यापन अवश्य करें। साथ ही विद्यार्थियों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। ठगी होने पर तत्काल 1930 पर करें शिकायत

पुलिस ने बताया कि ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। साथ ही नजदीकी पुलिस थाना या साइबर सेल को सूचना देनी चाहिए। समय पर शिकायत मिलने से ठगी की रकम को रोकने और नुकसान सीमित करने में मदद मिल सकती है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

अस्पताल में रिश्तेदार को फोन करने के बहाने मोबाइल लेकर खाते से 1.48 लाख उड़ाए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय जिला अस्पताल दुर्ग में मरीज के परिजन से रिश्तेदार को फोन करने के बहाने मोबाइल लेकर उसके बैंक खाते से 1 लाख 48 हजार 301 रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम से खरीदा गया सोने का मंगलसूत्र, मोबाइल, घड़ी, पावर बैंक और 20,200 रुपए नकद समेत कुल 55,700 रुपए की सामग्री बरामद की है।

पुलिस के अनुसार ग्राम महमरा निवासी कुलेश्वर निषाद के पिता का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा था। 5 सितंबर को वह अस्पताल में पिता की देखभाल कर रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति ने रिश्तेदार को फोन करने के बहाने उससे मोबाइल मांगा। सहयोग के लिए मोबाइल देने पर आरोपी उसे लेकर चला गया। बाद में मोबाइल का दुरुपयोग कर उसके बैंक खाते से 1,48,301 रुपए निकाल लिए गए।

शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 482/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पतासाजी कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कमलजीत बांदे उर्फ कमल (29), निवासी ग्राम तमोरा, थाना रानचिरई, जिला बालोद बताया और वारदात करना स्वीकार किया।

आरोपी की निशानदेही पर ठगी की रकम से खरीदा गया सोने का मंगलसूत्र, घड़ी, पावर बैंक, मोबाइल फोन तथा 20,200 रुपए नकद बरामद किए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अस्पताल में मरीज के परिजन को विश्वास में लेकर मोबाइल हासिल किया और उसके जरिए बैंक खाते से रकम निकाल ली। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी अपरिचित व्यक्ति को किसी भी बहाने से अपना मोबाइल फोन न दें। मोबाइल में बैंकिंग और वित्तीय जानकारी होने के कारण उसके दुरुपयोग से आर्थिक नुकसान हो सकता है। ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल बैंक और पुलिस को सूचना दें।

त्यौहारों के अवसर पर भिलाई निगम क्षेत्र में मांस बिक्री एवं पशुवध पर रहेगा प्रतिबंध

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में आगामी त्यौहारों को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में निर्धारित तिथियों पर पशुवध, गृह जीव हत्या एवं समस्त मांस बिक्री केंद्रों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। शासन के परिपत्र के पालन में निगम के स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आदेश प्रसारित कर संबंधित दुकानदारों एवं व्यवसायियों को निर्धारित दिवसों पर मांस बिक्री एवं पशुवध पूर्णतः बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार 14 सितंबर 2026 सोमवार को गणेश चतुर्थी, 16 सितंबर 2026 बुधवार को पर्युषण पर्व प्रथम दिवस, 22 सितंबर 2026 मंगलवार को डोल ग्यारस, 25 सितंबर 2026 शुक्रवार को अनंत चतुदर्शी एवं पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस, 26 सितंबर 2026 शनिवार को पर्युषण पर्व में संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा तथा 02 अक्टूबर 2026 शुक्रवार को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर निगम क्षेत्र में समस्त पशुवध एवं मांस बिक्री केंद्र बंद रहेंगे। निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित मांस विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि शासन द्वारा निर्धारित प्रतिबंधित दिवसों में किसी भी प्रकार से मांस की बिक्री, पशुवध अथवा गृह जीव हत्या न की जाए। आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त सुरुचि सिंह ने ली समीक्षा बैठक, गणेश उत्सव की व्यवस्थाओं सहित निगम के विभिन्न कार्यों की हुई समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त श्रीमती सुरुचि सिंह की अध्यक्षता में निगम सभागार कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों एवं आगामी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में शासन के निर्देशानुसार गणेश जी की मूर्ति स्थापना के लिए पंडाल निर्माण हेतु अनुमति लेने संबंधी विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि 5,000 वगर्फीट से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी पंडालों के लिए अनुमति शुल्क, सफाई शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा करना अनिवार्य होगा। वहीं 5,000 वगर्फीट से छोटे पंडालों में यदि व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं, तो ऐसे पंडालों के लिए भी अनुमति शुल्क, सफाई शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा करनी होगी।

पंडाल के लिए अनुमति शुल्क 3.50 रुपये प्रति वगर्फीट, जबकि सफाई शुल्क 2,000 रुपये निर्धारित है। सुरक्षा निधि वापसी योग्य होगी। पंडाल संचालकों को निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही शहर के विभिन्न तालाबों को चरणबद्ध चिन्हांकित कर जलकुंभी की सफाई व्यवस्था हेतु निर्देश दिये हैं । शासन के आदेशानुसार सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित की जाने वाली निगम की विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा हुई। सी एम पोर्टल, जनशिकायत, नगरोत्थान योजना सहित अन्य संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में निगम के ईंधन व्यय में कमी लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए वाहनों के बेहतर उपयोग एवं निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। इसके अलावा विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, कार्यों की गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। आयुक्त श्रीमती सुरुचि सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। शासन एवं निगम स्तर से जारी निर्देशों का प्रभावी रूप से पालन सुनिश्चित करने के साथ ही शहर की स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं एवं विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। बैठक में निगम के अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, ऐशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, कायर्पालन अभियंता सुनील जैन, संजय वर्मा, अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, नितेश मेश्राम, लेखाधिकारी चन्द्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे.पी. तिवारी, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, चंद्रकांत साहू सहित उप अभियंता एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ठेका श्रमिकों के लिए सुरक्षा प्रश्नोत्तरी के प्रथम चरण का शुभारंभ

1180 ठेका श्रमिकों ने लिया हिस्सा, 210 महिला श्रमिकों की रही भागीदारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता और सुरक्षित कार्य संस्कृति को मजबूत करने के उद्देश्य से ठेका श्रमिकों के लिए कायर्पालक निदेशक (संकार्य) ट्रॉफी सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2026-27 के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संयंत्र के आयरन, स्टील, मिल एवं सर्विस जोन से कुल 1180 ठेका श्रमिकों ने भाग लिया। इनमें 970 पुरुष और 210 महिला श्रमिक शामिल रहीं।

प्रतियोगिता का उद्देश्य ठेका श्रमिकों को सुरक्षा नियमों, जोखिमों की पहचान और सुरक्षित कार्य पद्धतियों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षा ज्ञान को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही श्रमिकों को सेफ्टी एंबेसेडर के रूप में विकसित कर कार्यस्थल पर सुरक्षा संदेश के प्रभावी प्रसार को बढ़ावा देना भी इसका उद्देश्य है।

15 जुलाई से 1 अगस्त 2026 तक आयोजित प्रतियोगिता के विभागीय एवं जोनल स्तर के चरणों के बाद चारों जोनों से चयनित 12 श्रेष्ठ टीमों के बीच संयंत्र स्तरीय फाइनल आयोजित किया गया। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य शामिल रहे और प्रत्येक टीम में महिला श्रमिक की भागीदारी सुनिश्चित की गई। समारोह में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) पुष्पा एम्ब्रोस, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, क्विज मास्टर्स, जोनल कोऑर्डिनेटर्स, विभागीय सुरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक उपस्थित रहे।

सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं

समारोह को संबोधित करते हुए पुष्पा एम्ब्रोस ने कहा कि उत्पादन महत्वपूर्ण है, लेकिन सुरक्षा मानकों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी कर्मियों से निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सुरक्षा प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से संयंत्र को शून्य कार्यस्थल दुर्घटना के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने ठेका श्रमिकों को कार्यस्थल पर असुरक्षित परिस्थितियों की भयमुक्त होकर रिपोर्टिंग करने के लिए भी प्रेरित किया। प्रतियोगिता के आयोजन में क्विज मास्टर्स एवं जोनल कोऑर्डिनेटर्स बिधान चन्द्र मंडल, निमेश गुप्ता, अवनीश दुबे, दिनेश पांडे, सुमित कुमार, आशुतोष प्रधान, एस.पी. सोनकर, एस.पी. निगम, नरेंद्र राव, एस.के.एन. भगत, सुनील शुक्ला, शशांक शर्मा, नागेंद्र राव, अजय टल्लू एवं तरुण दत्ता का योगदान रहा।

मुख्यमंत्री साय ने स्वदेशी मेला के पोस्टर-ब्रोशर का किया विमोचन

बस्तर से सरगुजा तक करीब 10 जिलों में लगेंगे मेले, स्थानीय उद्यमिता और स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

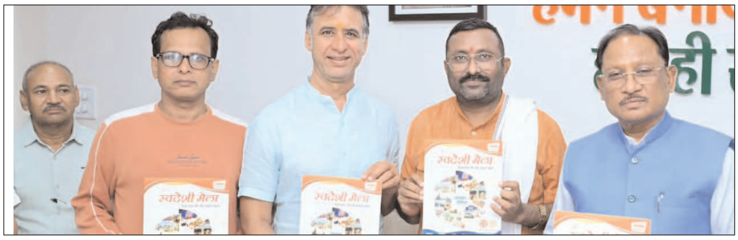

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की इकाई भारतीय विपणन विकास केंद्र (उइटऊ) द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित किए जाने वाले ह्यस्वदेशी मेलाह्न के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन किया। इस वर्ष मेले का आयोजन बस्तर के जगदलपुर से शुरू होकर सरगुजा के अंबिकापुर तक करीब 10 स्थानों पर किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार स्वदेशी मेले के माध्यम से स्थानीय कारीगरों, छोटे उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों और स्वदेशी उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ उद्यमिता एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया जाएगा। जगदलपुर, बिलासपुर, रायपुर, भिलाई-दुर्ग, राजनांदगांव और अंबिकापुर सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर मेले आयोजित किए जाएंगे। आयोजन की तिथियों एवं स्थानों की विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मेलों से स्थानीय कारीगरों, स्व-सहायता समूहों और स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को बाजार मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

विमोचन कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, डॉ. सुशील श्रीवास्तव, डॉ. प्रफुल्ल शर्मा, गुलशन ऋषि, अरुणा दीक्षित, युगबोध अग्रवाल, अमर बंसल, सुब्रत चाकी, दिनेश पाटिल, चेंबर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, अमरजीत सिंह छाबड़ा, विष्णु साव, विनोद डड्डा, योगेश बागड़ी, शंकर सचदेव, विनय सिंह सहित स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

खास खबर

छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर फीडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई/दुर्ग।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर फीडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप का शुभारंभ गुरुवार को सेक्टर-6 स्थित अग्रसेन भवन में हुआ। अग्रसेन जन कल्याण एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शतरंज संघ दुर्ग के संरक्षक एवं समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने शतरंज की चाल चलकर किया।

कैलाश जैन बरमेचा बोले— मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है शतरंज

कार्यक्रम की अध्यक्षता इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े ने की। इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन, दीपांकर सेन गुप्ता एवं अनिल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि 10 से 13 सितंबर तक चलने वाली प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 21 जिलों से कुल 142 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 117 खिलाड़ी सीनियर वर्ग और 25 महिला वर्ग के हैं। प्रतियोगिता में 72 रेटेड खिलाड़ी भी शामिल हैं। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं मोमेंटो के साथ कुल 1 लाख 5 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

सोशल मीडिया के दौर में भी बढ़ा शतरंज का आकर्षण

मुख्य अतिथि कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि शतरंज मानसिक क्षमता के साथ व्यक्तित्व विकास बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सोशल मीडिया के दौर में भी लोग दिमागी कौशल को बढ़ाने वाले इस खेल को महत्व दे रहे हैं, यह प्रशंसनीय है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष अलंकार भिवगड़े ने शतरंज के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए आयोजन की सराहना की। रॉकी देवांगन ने खिलाड़ियों से अनुशासन एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चुनी जाएगी टीम

प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर पुरुष एवं महिला वर्ग से शीर्ष चार-चार खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय सीनियर शतरंज चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्रीय महिला शतरंज चैंपियनशिप तेलंगाना में आयोजित होगी। कार्यक्रम में ईश्वर सिंह राजपूत, तुलसी सोनी, धीरज चावरे, विक्रम सिंह राजपूत एवं सद्दाम हुसैन ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। संचालन तुलसी सोनी ने किया तथा आभार प्रदर्शन ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

जोखिमपूर्ण भवनों की जांच में लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही : विष्णुदेव साय

हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूलों का तत्काल सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि विद्यार्थियों और नागरिकों की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय संभावित जोखिमों की पहले पहचान कर उन्हें दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने जोखिमपूर्ण भवनों की जांच में लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागायुक्तों, आईजी, कलेक्टरों, एसपी तथा वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी जिलों में हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल और बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण एवं सेफ्टी ऑडिट कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण में सुरक्षा संबंधी कमियां मिलने पर समय-सीमा तय कर सुधार कराया जाए। कलेक्टर और एसपी स्वयं इसकी नियमित निगरानी करें। स्कूलों, पुस्तकालयों, छात्रावासों और अन्य सार्वजनिक स्थलों के पुराने एवं जर्जर भवनों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर जोखिमपूर्ण भवनों के संबंध में तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

साय ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिसमें संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान हो और दुर्घटना की आशंका को पहले ही समाप्त किया जा सके। विशेषकर बच्चों और विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सतत निगरानी और समय रहते सुधार की कार्यसंस्कृति विकसित करने के निर्देश दिए।

सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी

मुख्यमंत्री ने दूसरे राज्यों से अवैध शराब की आवक रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों और प्रमुख परिवहन मार्गों पर निगरानी बढ़ाने को कहा। पुलिस और आबकारी विभाग को सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान कर संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साय ने स्पष्ट किया कि शासन के निर्देशों के पालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने जिलों में की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील सहित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।यह संस्करण अखबार के लिए ज्यादा उपयुक्त है, क्योंकि इसमें प्रेस नोट की दोहराव वाली पंक्तियां हटाकर मुख्य खबर, उपशीर्षक और प्रमुख निर्देशों को प्राथमिकता दी गई है।

अवैध-मिलावटी शराब पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने अवैध एवं मिलावटी शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और परिवहन के खिलाफ प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। आबकारी विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन को समन्वय के साथ कार्रवाई करने को कहा गया। संदिग्ध क्षेत्रों में संयुक्त टीमों से छापेमारी तथा अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों पर कठोर वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने स्मार्ट मीटर लगाना किया अनिवार्य

अफवाहों पर ध्यान न दें : CSPDCL

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर को लेकर फैली असमंजस की स्थिति पर CSPDCL ने स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी ने बताया कि भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने 12 अगस्त 2026 को सभी राज्यों को स्मार्ट मीटर लगाने में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। जहां संचार नेटवर्क उपलब्ध है, वहां भारतीय मानकों के अनुरूप स्मार्ट मीटर से ही बिजली आपूर्ति करना अनिवार्य किया गया है।

CSPDCL के अनुसार स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को सटीक और पारदर्शी बिलिंग मिलेगी। उपभोक्ता अपनी खपत पर खुद नजर रख सकेंगे और भविष्य में Time of Day (ToD) टैरिफ का लाभ लेकर कम दर वाले समय में बिजली उपयोग कर बिल घटा सकेंगे। इससे कंपनी को भी खपत का सही लेखा-जोखा रखने में मदद मिलेगी।

कंपनी ने बताया कि इस निर्देश के तहत केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड सहित कई राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेज किया गया है।

बैकुंठपुर प्रकरण में स्मार्ट मीटर सही

बैकुंठपुर में स्मार्ट मीटर और चेक मीटर में अंतर की शिकायत पर अधीक्षण अभियंता से जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि 7 अगस्त को चेक मीटर की वास्तविक रीडिंग 2777 यूनिट थी, जबकि पहले 2589 यूनिट दर्ज की गई थी, जो मैनुअल एंट्री की गलती थी। 27 जुलाई से 7 अगस्त के बीच स्मार्ट मीटर में 302 यूनिट और चेक मीटर में 303 यूनिट खपत दर्ज हुई, यानी केवल 1 यूनिट का अंतर। वीडियो रिकॉर्डिंग से भी इसकी पुष्टि हुई। उरढऊछ ने कहा कि मैनुअल रीडिंग में मानवीय त्रुटि संभव है, जबकि स्मार्ट मीटर में रीडिंग ऑटोमेटिक होने से त्रुटि की संभावना नहीं है।

कंपनी ने उपभोक्ताओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और अधिकृत माध्यमों से ही जानकारी लेने की अपील की है।

कृषि मंत्री निवास में पोला का भव्य आयोजन

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के शासकीय निवास परिसर में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पोला तिहार का भव्य आयोजन किया गया। मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर भगवान शिव के स्वरूप बैल जोड़ों का विधि-विधान से पूजा-अर्चना किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को पोला तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी।

महावीर जन्मवांचन पर पालना महोत्सव व 14 स्वप्नों का होगा पूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर, भैरव सोसायटी में महावीर जन्मवांचन के अवसर पर शुक्रवार, 11 सितंबर को पालना महोत्सव एवं 14 स्वप्नों का पूजन धूमधाम से आयोजित किया जाएगा।

श्री सीमंधर स्वामी मंदिर एवं दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद एवं महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के माता त्रिशला के गर्भ में आने की रात्रि माता ने 14 महास्वप्न देखे थे। इन्हीं स्वप्नों की स्मृति में मंदिर में विशेष पूजन का आयोजन किया जा रहा है।

प्रातः 9 बजे भगवान महावीर स्वामी के पालना जी का पूजन रमेश, अनुराग एवं अंकिता गोलछा परिवार द्वारा किया जाएगा। वहीं 12 सितंबर को गोलछा निवास, अमलीडीह में पालना जी की भक्ति का आयोजन होगा।

14 स्वप्नों के पूजन में श्वेत हस्ती का लाभ संतोष-सरला बैद परिवार, वृषभ का पदमचंद-कमल-अनिल गोलछा परिवार, सिंह का महेंद्र-तरुण कोचर परिवार, लक्ष्मी देवी का तिलोकचंद-शांतिलाल-अशोक बरड़िया परिवार, पुष्पमाला का संजय-अजय पारख परिवार, पूर्ण चंद्रमा का मनोहरमल पुगलिया परिवार, दैदीप्यमान सूर्य का माया देवी-राजेंद्र सेठिया परिवार, ध्वजा का तारा देवी-खेमराज बैद परिवार, स्वर्ण कलश का गुलाबचंद-सोहनलाल-टीकम गोलछा परिवार, कमल सरोवर का इंदरचंद-जयकुमार-विजयकुमार सांखला परिवार, क्षीरसागर का जितेंद्र-अंजली गोलछा परिवार, देवविमान का प्रदीप-प्रणव बोथरा परिवार, रत्नों की राशि का स्मृतिशेष भीखमचंद कोठारी के आत्मश्रेयार्थ पुष्पादेवी कोठारी तथा निर्धूम अग्नि का लाभ राजेश-करुणा-कुशल सिंघी परिवार ने लिया है। इस अवसर पर 11 सितंबर को श्री अंतरिक्ष पाश्वर्नाथ भक्त मंडल द्वारा 14 स्वप्नों के पूजन निमित्त प्रभुभक्ति का आयोजन भी किया जाएगा। प्रभुभक्ति के लाभार्थी जीवनलाल, डॉ. योगेश एवं खुशी बंगानी परिवार हैं। इससे पूर्व गुरुवार रात्रि श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में प्रभुभक्ति का आयोजन हुआ, जिसमें शताब्दी एवं ऐषणा ढेलडिया मां-बेटी की सुमधुर भजनों की जुगलबंदी ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर किया।

एनआईटी रायपुर में गूंजा साइबर जागृति का संदेश, छात्रों को बताया ठगी से बचने का तरीका

'साइबर जागृति - साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई/दुर्ग।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को 'साइबर जागृति - साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान रायपुर पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला, एनआईटी के प्रभारी निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी, डीसीपी वेस्ट रॉबिन्सन गुरिया और एडीसीपी साइबर गौरव मंडल सहित पुलिस अधिकारी, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में छात्रों को फिशिंग, वढक/डळढ फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन, सोशल मीडिया पर पहचान की चोरी और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए साइबर अपराधों के बारे में बताया गया। एडीसीपी डॉ. गौरव मंडल ने कहा कि साइबर अपराधी मोबाइल या बैंक खाते के साथ-साथ मानव मनोविज्ञान का फायदा उठाते हैं। लालच, डर, जल्दबाजी और जानकारी की कमी ठगी की बड़ी वजह है। उन्होंने ठगी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करने और साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने की अपील की।

पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि साइबर ठगी वैश्विक अपराध बन चुका है। एक बार पैसा देश से बाहर चला गया तो वापस लाना बेहद मुश्किल होता है, इसलिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने छात्रों से साइबर स्वयंसेवक बनकर परिवार और समाज को जागरूक करने को कहा।

एनआईटी के प्रभारी निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी ने भी छात्रों को साइबर स्वयंसेवक बनने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि मंत्री दयालदास बघेल ने छात्रों से डळढ, ढक्ठ, पासवर्ड और निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करने और सतर्क रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समन्वय एडीसीपी वेस्ट राहुल देव शर्मा, एसीपी आजाद चौक इशू अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रूपेश कुमार देवांगन और सहायक प्रोफेसर डॉ. नितेश के. भारद्वाज ने किया। अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर राष्ट्रगान के साथ समापन किया गया।

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, भारतीय ज्ञान परम्परा और NEP पर हुआ मंथन

पाठ्यक्रम बनाते समय स्थानीय जरूरतों के साथ राष्ट्रीय और वैश्विक बदलावों को भी ध्यान में रखना चाहिए

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई/दुर्ग।

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत ₹भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति₹ विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता उच्च शिक्षा के प्राचार्य डॉ. जी. ए. घनश्याम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को केंद्र में रखते हुए पाठ्यचर्या निर्माण और उच्च शिक्षा के बदलते स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. घनश्याम ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, रचनात्मकता, नवाचार और रोजगारपरक दक्षता से संपन्न करना है। इसके लिए ऐसी पाठ्यचर्या जरूरी है जो विद्यार्थियों की जरूरतों, उद्योग जगत की अपेक्षाओं और समाज की चुनौतियों के अनुरूप हो।

उन्होंने कहा कि NEP-2020 में भारतीय ज्ञान परम्परा को मुख्य धुरी बनाया गया है, जिसमें ज्ञान, चरित्र और कौशल पर फोकस है। बहुविषयक शिक्षा, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण, लचीली पाठ्यचर्या, क्रेडिट सिस्टम, शोध और कौशल विकास ही उच्च शिक्षा के आधार हैं। यह नीति शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और परिणामोन्मुख बनाती है। उन्होंने जोर दिया कि प्रभावी करिकुलम केवल विषयों का संकलन नहीं, बल्कि शिक्षण विधि, मूल्यांकन और विद्यार्थी के समग्र विकास का समन्वय है। पाठ्यक्रम बनाते समय स्थानीय जरूरतों के साथ राष्ट्रीय और वैश्विक बदलावों को भी ध्यान में रखना चाहिए। गुणवत्ता के लिए सतत मूल्यांकन, शोध संस्कृति और अकादमिक स्वतंत्रता जरूरी है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सोनू अग्रवाल ने कहा कि बदलते परिवेश में शिक्षकों के लिए ठएढ और भारतीय ज्ञान परम्परा की समझ आवश्यक है। संचालन डॉ. आकांक्षा शर्मा ने किया। इस दौरान डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. श्रुति तिवारी, प्रो. देवयानी चौबे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और शोधार्थी मौजूद रहे।

संपादकीय

ब्रिक्स के विस्तार से बदलती विश्व व्यवस्था

दुनिया इस समय ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां पुरानी वैश्विक व्यवस्थाएं लगातार बदल रही हैं और नई शक्ति-समीकरण आकार ले रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और व्यवस्थाओं ने विश्व राजनीति एवं अर्थव्यवस्था को दिशा दी, उनकी प्रासंगिकता पर आज अनेक सवाल उठ रहे हैं। आर्थिक शक्ति का केंद्र धीरे-धीरे पश्चिम से आगे बढ़कर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की ओर भी स्थानांतरित हो रहा है। इसी बदलते परिदृश्य में ब्रिक्स का बढ़ता प्रभाव विशेष महत्व रखता है। ब्रिक्स की शुरुआत ब्राजील, रूस, भारत और चीन के साथ हुई थी और बाद में दक्षिण अफ्रीका इसके साथ जुड़ा। इसका मूल उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना तथा वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों की भूमिका को मजबूत करना था। समय के साथ यह मंच केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक, कूटनीतिक, तकनीकी और रणनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।

ब्रिक्स का विस्तार इस बात का संकेत है कि वैश्विक दक्षिण के अनेक देश अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में अपनी भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं। लंबे समय से विकासशील देशों की यह शिकायत रही है कि वैश्विक संस्थाओं में उनकी जनसंख्या और आर्थिक क्षमता के अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग लगातार उठती रही है। ऐसे में ब्रिक्स विकासशील देशों को अपनी सामूहिक आवाज मजबूत करने का अवसर देता है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण मंच

भारत के लिए ब्रिक्स का महत्व कई स्तरों पर है। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर रूस, चीन और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी संवाद बनाए रखना चाहता है। यही भारत की विदेश नीति की विशेषता है कि वह किसी एक शक्ति-गुट में सीमित होने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर विभिन्न देशों के साथ संबंधों को आगे बढ़ाता है। ब्रिक्स भारत को ऐसी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण में भूमिका निभाने का अवसर देता है, जिसमें किसी एक देश या समूह का वर्चस्व न हो। भारत लंबे समय से दुनिया में सुधारित और अधिक प्रतिनिधित्व वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करता रहा है। ब्रिक्स के माध्यम से भारत विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की समस्याओं को अधिक मजबूती से सामने रख सकता है।

भारत की विशाल अर्थव्यवस्था, युवा आबादी, तेजी से बढ़ता डिजिटल क्षेत्र और तकनीकी क्षमता उसे इस समूह में प्रभावशाली भूमिका निभाने की क्षमता देते हैं। भारत यदि अपने आर्थिक हितों को वैश्विक दक्षिण के हितों के साथ जोड़ने में सफल रहता है, तो ब्रिक्स उसके लिए कूटनीतिक प्रभाव बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

आर्थिक सहयोग की व्यापक संभावनाएं

ब्रिक्स की सबसे बड़ी ताकत उसके सदस्य देशों की आर्थिक क्षमता और विशाल बाजार हैं। इन देशों में दुनिया की बड़ी आबादी रहती है और इनके पास प्राकृतिक संसाधनों से लेकर औद्योगिक उत्पादन तथा तकनीकी क्षमता तक का व्यापक आधार है। यदि सदस्य देश आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाते हैं, तो इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में नए अवसर पैदा हो सकते हैं। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की चर्चा भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कुछ प्रमुख मुद्राओं पर अत्यधिक निर्भरता विकासशील देशों के लिए कई बार चुनौती बन जाती है। मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव, वैश्विक वित्तीय संकट और प्रतिबंधों जैसी परिस्थितियां व्यापार को प्रभावित करती हैं। ऐसे में ब्रिक्स देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में व्यापार की संभावनाओं पर विचार किया जाना व्यावहारिक कदम हो सकता है। हालांकि किसी साझा मुद्रा की स्थापना जैसी महत्वाकांक्षी योजना को लेकर अत्यधिक उत्साह दिखाने के बजाय सदस्य देशों को पहले भुगतान प्रणालियों, बैंकिंग सहयोग, मुद्रा विनिमय व्यवस्था और व्यापारिक निपटान को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। आर्थिक सहयोग तभी सफल होगा जब वह व्यवहारिक और चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़े।

हर शुक्रवार जनता के बीच पहुंचेगा प्रशासन

जयप्रकाश भार्गव

विशेष लेख

जनता के बीच पहुंचना अभियान की शुरुआत है, लेकिन जनता की समस्या का समाधान ही उसकी असली सफलता है।

मध्यप्रदेश में शासन और आम नागरिक के बीच संवाद को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में शुरू हुआ है। अभियान की अवधि 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक निर्धारित की गई है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि प्रत्येक शुक्रवार प्रशासन के लिए मैदानी दिवस होगा। अधिकारी कार्यालयों में बैठकर रिपोर्ट देखने के बजाय फील्ड में जाएंगे, जनता से संवाद करेंगे और योजनाओं की जमीनी हकीकत परखेंगे।

जनता के बीच जाने की जरूरत क्यों?

सरकारी योजनाओं की सफलता तभी है जब लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। किसी बुजुर्ग की पेंशन लंबित हो, किसान की फार्मर आईडी न बनी हो, ई-केवाईसी अटकी हो, आयुष्मान कार्ड न बना हो या आवास की किशत रुकी हो — इन दूरियों को कम करने के लिए यह अभियान है।

हर शुक्रवार क्या होगा?

अधिकारी ग्राम पंचायत, विद्यालय, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, राशन दुकान, निर्माण कार्य और जल संरचनाओं का निरीक्षण करेंगे। नागरिकों से सीधे बात कर यह जानेंगे कि योजनाएं कागज से निकलकर जमीन पर पहुंची हैं या नहीं।

शुक्रवार से पहले तैयारी

निर्धारित क्षेत्र के सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, लोक सेवा गारंटी, राजस्व, पेंशन, आवास जैसे लंबित मामलों की समीक्षा पहले से की जाएगी ताकि मौके पर ही समाधान की दिशा तय हो सके।

शुरुआती तस्वीर

- रीवा में प्रथम शिविर में 322 आवेदन प्राप्त हुए, 160 का मौके पर निराकरण हुआ।
- डिंडौरी में 48 आवेदनों का निराकरण और 14 हितग्राहियों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र दिए गए।
- बड़वानी में लंबित नामांतरण और आवास किश्त में देरी पर जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए।

असली सवाल क्या है?

अभियान की सफलता शिविरों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि कितने आवेदन निराकृत हुए, कितने पात्रों को अधिकार मिला और कितने लोगों को कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़े।

जन-विश्वास आंकड़ों से नहीं, अनुभव से बनेगा। जब बुजुर्ग को पेंशन के लिए भटकना न पड़े, किसान को समय पर सेवा मिले और शिकायतकर्ता को "आवेदन दे दीजिए" के बजाय "कार्रवाई क्या होगी" बताया जाए, तभी यह अभियान सार्थक होगा। संवाद समाधान में बदलेगा, समाधान से संतोष आएगा और संतोष से जन-विश्वास मजबूत होगा।

पशु संरक्षण एवं उपचार व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गौ सेवकों एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सड़क पर विचरण करने वाले पशुओं, बीमार एवं घायल पशुओं के रेस्क्यु, उपचार तथा उनके लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गौ सेवकों से उनके कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली और पशुओं के बेहतर संरक्षण एवं उपचार के लिए आवश्यक सुझाव भी लिए। बैठक में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री नरेन्द्र पैकरा, गौ सेवक श्री नीलेश सोनी, श्री संस्कार दुबे, तरूण साहू, अंकुश विश्वकर्मा, अनमोल ठाकुर, श्री वैदिक मिश्रा, नीरज ठाकुर, अमित चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि, गौ सेवक उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि गौ सेवक दिन-रात बीमार और घायल पशुओं की सेवा में जुटे रहते हैं। वे पूरी मेहनत, लगन और सेवाभाव के साथ सड़क पर घायल अवस्था में मिले पशुओं का रेस्क्यु कर उन्हें उपचार के लिए पशु चिकित्सालय तक पहुंचाते हैं। गौ सेवकों द्वारा किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पशुओं की सेवा और संरक्षण के लिए उनके प्रयास महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौ सेवक जब भी किसी सेवा कार्य अथवा घायल पशु के रेस्क्यु के संबंधितकार्य हेतु संपर्क व्यवस्था को दुरुस्त किया जाय। उनकी समस्या के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाए।

पशुपालन विभाग के चिकित्सकीय अमले की ली जानकारी उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों, सहायक चिकित्सकों एवं अन्य उपलब्ध मानव संसाधन तथा विभागीय सेटअप की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों की पदस्थापना स्थल, किन-किन क्षेत्रों में कौन से चिकित्सक कार्यरत हैं तथा किन स्थानों पर चिकित्सकीय सेवाओं की आवश्यकता है, इसकी भी जानकारी ली। उन्होंने सभी चिकित्सकों की बैठक आयोजित कर जिले में पशुओं के उपचार एवं रेस्क्यु व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक काययीजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां पशुओं के उपचार की अधिक आवश्यकता है, वहां चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि बीमार एवं घायल पशुओं को समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने चिकित्सकों को सेवाभाव, ललक और मेहनत के साथ कार्य करने की बात कही।

पशु रेस्क्यु वाहन 24 घंटे संचालित करने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिले में उपलब्ध पशु रेस्क्यु वाहन के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पशु रेस्क्यु वाहन को 24 घंटे संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल अथवा बीमार पशुओं की सूचना मिलने पर तत्काल रेस्क्यु टीम मौके पर पहुंच सके। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदारी और संपर्क व्यवस्था को भी व्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

बड़े स्थान पर पशुओं के उपचार एवं विश्राम की व्यवस्था पर चर्चा

बैठक में स्वर्ण जयंती परिसर का निरीक्षण कर वहां पशु चिकित्सालय को शिफ्ट करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गौ सेवकों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि परिसर का निरीक्षण कर पशु चिकित्सालय को वहां स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बड़े और व्यवस्थित स्थान पर पशुओं के उपचार, देखभाल एवं विश्राम के लिए बेहतर व्यवस्था विकसित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था तैयार की जाए, जहां बीमार एवं घायल पशुओं को उपचार के साथ सुरक्षित स्थान, पर्याप्त खुला क्षेत्र तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इससे गौ माता सहित अन्य पशुओं के संरक्षण और सेवा कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अधिक से अधिक पैरादान के लिए किसानों को करें प्रेरित उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में पशुओं के लिए पर्याप्त चारा उपकिो जलाने के बजाय गौवंश के लिए दान किया जाए, इससे पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। उन्होंने गौ सेवकों एवं संबंधित लोगों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में वीडियो एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए किसानों को पैरादान के लिए जागरूक करें।

दुर्घटना संभावित स्थानों पर बेरिकेडिंग का सुझाव

बैठक में सड़क पर बैठे पशुओं को दुर्घटना से बचाने के लिए दुर्घटना संभावित एवं अत्यधिक मोड़ वाले स्थानों को चिन्हांकित करने पर भी चर्चा हुई। ऐसे स्थानों पर आवश्यकतानुसार बेरिकेडिंग अथवा अन्य सुरक्षा उपाय करने का सुझाव दिया गया, जिससे सड़क पर बैठे पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। साथ ही वाहन चालकों को भी ऐसे स्थानों पर सावधानी बरतने के लिए जागरूक करने की बात कही गई।

नवा रायपुर के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को मिली नई पहचान

विशेष लेख

श्री सुनील त्रिपाठी

सहायक संचालक

नवा रायपुर अटल नगर अब देश के प्रमुख आधुनिक शहरों के साथ-साथ हॉस्पिटैलिटी और बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसी दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। देश की प्रमुख हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (IHCL) ने नवा रायपुर में अपने प्रतिष्ठित Ginger Hotel की स्थापना की घोषणा की है। 111 कमरों वाला यह होटल ब्राउनफील्ड परियोजना के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए IHCL ने ECHT Ventures के साथ साझेदारी की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि नवा रायपुर में देश की प्रतिष्ठित हॉस्पिटैलिटी कंपनी IHCL IYf Ginger Hote' लाना छत्तीसगढ़ के प्रति बढ़ते निवेशकों के विश्वास और नवा रायपुर की राष्ट्रीय पहचान का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक, सुविधायुक्त और निवेश के अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। देश-विदेश से आने वाले निवेशकों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और पर्यटकों के लिए बेहतर हॉस्पिटैलिटी सुविधाओं का विस्तार नवा रायपुर की आर्थिक गतिविधियों को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर अब केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि निवेश, शिक्षा, रोजगार, पर्यटन और आधुनिक सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वित्त एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर में Ginger Hotel का आगमन शहर के तेजी से विकसित होते बिजनेस और हॉस्पिटैलिटी इकोसिस्टम को नई मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय संस्थानों, निवेश परियोजनाओं और कॉर्पोरेट गतिविधियों के विस्तार के साथ गुणवत्तापूर्ण आवास और आतिथ्य सुविधाओं की मांग भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि नवा रायपुर में निवेश करने वाले उद्यमियों और यहां आने वाले देश-विदेश के प्रतिनिधियों को एक आधुनिक और सुविधाजनक इकोसिस्टम उपलब्ध हो। Ginger जैसी प्रतिष्ठित ब्रांड की परियोजना नवा रायपुर की बदलती तस्वीर और बढ़ती संभावनाओं को रेखांकित करती है।

प्रस्तावित Ginger Nava Raipur में 111 कमरे होंगे। होटल में विशाल एवं आधुनिक कमरे, Ginger का सिग्नेचर ऑल-डे डाइनिंग रेस्टोरेंट Qmin, मीटिंग रूम और फिटनेस सेंटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसे व्यावसायिक यात्रियों के साथ-साथ पर्यटन एवं अवकाश के लिए नवा रायपुर आने वाले यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जाएगा।

नयनदीप विद्या मंदिर में ध्वजारोहण, छात्रों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नयनदीप विद्या मंदिर में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री सी.एस. बाजवा के करकमलों से गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्था के सचिव ज्ञानचंद जैन ने दिया। इस अवसर पर रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं रोटरी क्लब ऑफ भिलाई स्टील सिटी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। प्रमुख रूप से श्रीमती सुमन कन्नौजे, एस. सजीव, डॉ. संतोष राय, पी.एस. बिंद्रा, रमेश पटेल, शंकर, नंदा जी, डॉ. शुक्ला, समाजसेवी सुरेश चंद जैन, गोदावरी इस्पात के निशांत बाजपेई, शंकरा विद्यालय सेक्टर 10 की शिक्षिकाएं सविता शर्मा, लक्ष्मी, राधिका सहित महिला चैंबर भिलाई की महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के समाजसेवी उपस्थित थे।

प्राचार्या श्वेता महोबिया के मार्गदर्शन में नयनदीप विद्या मंदिर के छात्रों ने देशभक्ति गीत, समूह गीत, भाषण और नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को नया स्वरूप दिया। इस दौरान छात्रा कु. सलोनी शुक्ला द्वारा स्वयं तैयार की गई अकआधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें नयनदीप विद्या मंदिर के प्रारंभिक काल से अब तक की यात्रा और छात्रों की प्रतिभाओं को दर्शाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष सी.एस. बाजवा की अनुमति से प्रदर्शित इस फिल्म की उपस्थित जनसमुदाय ने सराहना की।

कार्यक्रम का सफल संचालन रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष श्रीमती सुमन कन्नौजे ने किया। विद्यालय की संगीत शिक्षिका मनीषा ओझा और दृष्टिबाधित शिक्षक अजय दुबे ने छात्रों को मार्गदर्शन दिया।

कविता का कोना

तीजा के तिहार

तीजा पोरा के तिहार आगे,बन बना दे तेतरी खुरमी,
नदिया बेला लैब-लैब जाथे,मन मा जागे खुशी।
पूरा मामा घर जाकर,करव हल्ला-गुल्ला,
तीजा के उपवास धरके,लड़के महादेव ला।
महादेव जी के कृपा ले,घर-आंगन होय उजियार,
सुंदर-सुंदर साड़ी पहिरके,नवा-नवा नजर आओ ।मां-बाप के ऊपर प्यार बरसे,
ननद-भौजी के मया,माई के घर तीजा मनाबो,
संग-संग होवय हंसी-खुशी। तीजा के तिहार आगे, बन बना दे तेतरी खुरमी,मामा घर मचही हल्ला-गुल्ला,नाचबो गाबो झूमी-झूमी।
मेरे सूने मन के आँगन में, प्रेम का दीप जला दो।

कवियत्री-ममता दुबे भिलाई

कविता का कोना

जलमग्न

देख यहभयावह दृश्य आता है ऐसा विचार, विकास से विनाश की ओर जा रहा है हमारा विकासशील परिवार, ऐसे ह आत्ममुग्ध रहे तो एक न एक दिन जलमग्न होगा पूरा का पूरा संसार,
भूख विकास की भूख भ्रष्टाचार की भूख जलन की भूख लालच की भूख सुख की भूख आलस्य की यही कारण है जो विश्व-भूमि पर हो रहा प्रकृति का प्रहार,
खेल रहे थे जो लोग प्रकृति से उनके स्वार्थ के लिए उनके विरोध में है प्रकृति का है स्पष्ट संदेश, स्पष्ट विचार,
स्वीकार नहीं प्रकृति को यह निरंतर दोहन, अब कर रही प्रकृति इस दोहन को अस्वीकार,
प्रकृति माँग रही है अब हमसे उससे छीने हुए सभी अधिकार,
न छेड़ो अब और प्रकृति को नहीं तो जलमग्न होगा एक दिन सम्पूर्ण संसार...

विचार- निशु पाण्डेय

रायपुर के इशवा लग्जरी स्पा सेंटर में देह व्यापार का भंडाफोड़ संचालक और मैनेजर पर PITA एक्ट में केस

चेकिंग के दौरान वहां आपत्तिजनक वस्तुएं मिलीं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

थाना देवेंद्र नगर क्षेत्र स्थित इशवा लग्जरी स्पा सेंटर में पुलिस ने छापेमारी कर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। स्पा संचालक और मैनेजर के खिलाफ पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस उपायुक्त मध्य क्षेत्र, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और एसीपी सिविल लाइन स्नेहिल साहू के निर्देशन में 10 सितंबर को सिविल लाइन और देवेंद्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने स्पा सेंटर पर रेड की।

चेकिंग के दौरान वहां आपत्तिजनक वस्तुएं मिलीं। पूछताछ में सामने आया कि संचालक हरविंदर सिंह ग्रोवर निवासी टिकरापारा और मैनेजर मुकेश कुमार वर्मा निवासी भिलाई-3 द्वारा अन्य राज्यों से युवतियों को बुलाकर देह व्यापार कराया जा रहा था। स्पा में काम करने वाली युवतियों ने भी संचालक और मैनेजर पर जबरन देह व्यापार कराने का आरोप लगाया। इस पर थाना देवेंद्र नगर में अपराध क्रमांक 152/2026 धारा 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

बिलासपुर में अनंत रियल्टी की विकास अनुज्ञा निरस्त, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग का कड़ा एक्शन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर/बिलासपुर

बिलासपुर के अज्ञेय नगर स्थित बहुमंजिला आवासीय प्रोजेक्ट में अनियमितता पाए जाने पर नगर तथा ग्राम निवेश संचालनालय ने बड़ी कार्रवाई की है। मेसर्स अनंत रियल्टी (भागीदार नमन गोयल) को जारी विकास अनुज्ञा क्रमांक 1456 को छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम 1984 के नियम 25 के तहत निरस्त कर दिया गया है।

25 जून 2025 को जारी अनुज्ञा को लेकर संयुक्त संचालक बिलासपुर ने निरस्तीकरण का प्रस्ताव भेजा था। संस्था को पक्ष रखने का मौका दिया गया। 31 जुलाई 2026 को सुनवाई में 15 दिन का समय मांगा गया, जिसके बाद 7 अगस्त को नमन गोयल ने जवाब प्रस्तुत किया। 24 अगस्त को जांच समिति ने जवाब का परीक्षण कर उसे असंतोषजनक पाया।

आदेश में दो बड़ी खामियां उजागर

1. पहुंच मार्ग का गलत उपयोगः जिस भूखंड को प्रोजेक्ट के पहुंच मार्ग के रूप में दिखाया गया, वह पूर्व में स्वीकृत अभिन्यास का हिस्सा था, सार्वजनिक मार्ग नहीं। इसे नए विकास में शामिल करने से पहले पुराने अभिन्यास में कानूनी संशोधन जरूरी था, जो नहीं किया गया।

2. फ्लैटों की संख्या में गड़बड़ीः विकास अनुज्ञा में 15 ब्लॉक, प्रत्येक में 4 तल, 1 फ्लैट प्रति तल के हिसाब से कुल 60 प्रकोष्ठ प्रस्तावित थे। लेकिन स्वीकृत मानचित्र में कुछ जगह 6 तल दिखाए गए, जिससे संख्या 90 हो गई। इसका सीधा असर एहर और LIG के लिए आरक्षित फ्लैटों की गणना पर पड़ता है।

संस्था ने इसे आर्किटेक्ट की लिपिकीय त्रुटि बताया, जिसे जांच समिति ने खारिज कर दिया। समिति ने कहा कि अभिन्यास पर आवेदक के हस्ताक्षर होते हैं, इसलिए जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

अन्य गंभीर सवाल भी उठे

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार जांच में आर्किटेक्ट की वैधता, एहर/LIG संबंधी शपथ-पत्र, पहुंच मार्ग की चौड़ाई, पार्किंग और ओपन स्पेस को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। स्वीकृति के दौरान तथ्य छिपाने या गलत प्रस्तुत करने के आरोप भी सामने आए हैं, हालांकि ये बिंदु अंतिम 3 पृष्ठ के आदेश में स्वतंत्र निष्कर्ष के रूप में दर्ज नहीं हैं। निरस्तीकरण आदेश की कॉपी आवास एवं पर्यावरण विभाग, कलेक्टर बिलासपुर, नगर निगम आयुक्त, CG RERA सहित सभी संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

खास खबर

संगीत नगरी खैरागढ़ में ऐतिहासिक पोला महोत्सव, फतेह मैदान में दौड़े 48 बैल जोड़े

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

संगीत नगरी खैरागढ़ के ऐतिहासिक राजा फतेह सिंह खेल मैदान में गुरुवार को परंपरा, खेल और रोमांच का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर पोला उत्सव समिति एवं न्यू दंतेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में 43 वर्षों से चली आ रही पारंपरिक बैल दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम से किया गया। बारिश के व्यवधान के बावजूद हजारों की संख्या में शहर सहित पूरे केसीजी जिले से लोग पहुंचे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह रहे, अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष गिरजा नंद चंद्राकर ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य घम्मन साहू, विकेश गुप्ता, नीलिमा गोस्वामी, दिनेश वर्मा, रामाधार रजक सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मैत्री फुटबॉल में खैरागढ़ की जीत

बैल दौड़ से पहले न्यू दंतेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब खैरागढ़ और एनएफसी डोंगरगढ़ के बीच मैत्री फुटबॉल मैच खेला गया, जिसमें खैरागढ़ ने 2-0 से जीत दर्ज की। शिवांश बहादुर सिंह और शशांक श्रीवास्तव ने गोल किए।

48 जोड़ियों ने लिया हिस्सा, इमरान की जोड़ी अव्वल

डीएसपी रूपेश डांडी ने हरी झंडी दिखाकर बैल दौड़ की शुरुआत की। छुईखदान, घुमका, राजनांदगांव सहित क्षेत्र से 48 बैल जोड़ियों ने हिस्सा लिया।

* **प्रथम – अमलीडीहखुर्द के ईमरान खान की जोड़ी – 11 हजार नगद कृषि सामग्री**
* **द्वितीय – मुस्का के श्याम साहू की जोड़ी – 7 हजार नगद**
* **तृतीय – अमलीडीहखुर्द के बिट्टू खान की जोड़ी – 5 हजार नगद**

बैल सजावट के लिए धरमपुरा के राजू सिन्हा और स्वस्थ बैल जोड़ी के लिए पिपरिया के छोटा खान को 3100-3100 रुपये का पुरस्कार दिया गया। सभी प्रतिभागियों को समाजसेवी डॉ. यशेश ठाकुर की ओर से सांत्वना पुरस्कार दिया गया। हिंगलाज ट्रेडिंग के नीरज खत्री ने सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट प्रदान की।

स्व. डॉ. महेश मिश्रा के परिवार का सम्मान

पोला उत्सव में हमेशा सहयोग देने वाले स्व. डॉ. महेश मिश्रा के परिवार और जर्मनी से आई उनकी बेटी-दामाद का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने कहा कि खैरागढ़ का पोला वर्षभर का सबसे बड़ा ऐतिहासिक आयोजन है। नगर पालिका अध्यक्ष गिरजा नंद चंद्राकर ने कहा कि मशीनी कृषि के दौर में भी इतनी बैल जोड़ियों का आना सराहनीय है। सुरक्षा व्यवस्था एसपी लक्ष्य विनोद शर्मा के निर्देश पर डीएसपी रूपेश डांडी के नेतृत्व में की गई। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष सुशीलकांत पांडे, सचिव प्रबल खत्री, कन्हैया पटेल, शुभम ठाकुर सहित पूरी टीम का योगदान रहा।

यात्री किराए के विषय का शीघ्र होगा समाधान– केदार कश्यप

ऑनलाइन होंगी परिवहन विभाग की अधिकाधिक सेवाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

परिवहन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में बस ऑनर फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों एवं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बस संचालकों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में यात्री किराए के पुनर्निर्धारण, स्लीपर बसों के टैक्स, बसों की समय-सारिणी, ऑनलाइन परमिट, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, फिटनेस प्रमाण-पत्र और महिला यात्रियों की सुरक्षा सहित परिवहन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

परिवहन मंत्री श्री कश्यप ने फेडरेशन के प्रतिनिधियों द्वारा रखी गई प्रत्येक मांग और व्यावहारिक समस्या को गंभीरता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बस संचालकों की समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जाए और यात्रियों को सुरक्षित, सुलभ तथा सुविधाजनक परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

यात्री किराए के विषय का शीघ्र होगा समाधान

बैठक में फेडरेशन ने साधारण यात्री बसों के किराए में 75 प्रतिशत तथा डीलक्स बसों के किराए में 30 प्रतिशत वृद्धि करने की मांग रखी। इसके साथ ही 11 मार्च 2025 को जारी संशोधित अधिसूचना को निरस्त करने का विषय भी मंत्री के समक्ष रखा गया।

परिवहन मंत्री श्री कश्यप ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि यात्री किराए से जुड़े विषय का शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी करते हुए इस विषय पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

स्लीपर बसों के टैक्स पर किया जा रहा विचार

फेडरेशन ने स्लीपर बसों में एक स्लीपर के बदले दो सीटों का टैक्स लेने की वर्तमान व्यवस्था को समाप्त कर एक स्लीपर पर एक सीट के बराबर टैक्स निर्धारित करने की मांग रखी। बस संचालकों ने इस व्यवस्था से होने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों की जानकारी भी मंत्री को दी। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि इस मांग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को इसके व्यावहारिक, तकनीकी और राजस्व संबंधी सभी पहलुओं का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

समय-सारिणी व्यवस्थित करने के निर्देश

स्टेज कैरिज बसों के बीच समय-अंतराल निर्धारित करने के विषय पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। फेडरेशन ने मुख्य मार्गों पर बसों के बीच 10 मिनट तथा ग्रामीण मार्गों पर 30 मिनट का अंतर निर्धारित करने का सुझाव दिया।

परिवहन मंत्री ने कहा कि बसों की समय-सारिणी ऐसी होनी चाहिए, जिससे यात्रियों को पर्याप्त परिवहन सुविधा मिले और बस संचालकों के बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा की स्थिति भी उत्पन्न न हो। उन्होंने यात्रियों की सुविधा और बसों के सुव्यवस्थित संचालन को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

बैठक में स्टेज कैरिज वाली सभी यात्री बसों के लिए पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन परमिट जारी करने की सुविधा का विषय भी रखा गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सभी बसों के लिए ऑनलाइन परमिट जारी किए जा रहे हैं।

परिवहन मंत्री श्री कश्यप ने परमिट सहित परिवहन विभाग की अधिकाधिक सेवाओं को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवहन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जाए, ताकि बस संचालकों एवं आम नागरिकों को विभागीय कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाया जाए। परिवहन मंत्री ने बसों में सफर करने वाली महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस में पहली अथवा अंतिम सवारी महिला होने की स्थिति में वाहन की ऑनलाइन ट्रैकिंग की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सरगीपाल में जुआ खेलते 8 जुआरी गिरफ्तार, 1.84 लाख का माल जब्त

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

थाना बोधघाट क्षेत्र के ग्राम सरगीपाल में पुलिस ने जुआ खेल रहे 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन में हुई कार्रवाई में आरोपियों के पास से 52 पत्ती ताश, नगदी 2760 रुपये, 7 पुराने टच स्क्रीन मोबाइल और 2 मोटर साइकिल सहित कुल 1,84,760 रुपये का माल जब्त किया गया है।

09 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नीलगिरि प्लाट के पास कुछ लोग रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस पर एडिशनल एसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी सुमित कुमार और डीएसपी चंद्रहास सिन्हा के पयर्वेक्षण में थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में बोधघाट और ब्लैक पैंथर की टीम ने रेड कर 8 लोगों को पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपी

1. पदलाम बघेल (33) 2. सुकराम नाग (40) 3. सामसेन बघेल (31) 4. लछीन नाग (43) 5. सुंदर बघेल (39) 6. सहदेव बघेल (61) 7. लोकनाथ कश्यप (60) सभी निवासी सरगीपाल

8. परमेश्वर जोशी (33) निवासी बिलोरी

सभी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2005 की धारा 3(2) के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

विकास कार्यों में तेजी और गुणवत्ता पर विशेष जोर

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज बीजापुर में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन विभागों के स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बीजापुर जिले में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वीकृत एवं निर्माणाधीन सड़कों, पुलों, शासकीय भवनों तथा अधोसंरचना विकास के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब पर रोक लगाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने अप्रारंभ कार्यों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में अपील समिति की बैठक हुई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

नगर पालिक निगम भिलाई में महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में अपील समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रकरणों पर समिति द्वारा सुनवाई करते हुए नियमानुसार आवश्यक निर्णय एवं निर्देश दिए गए।

बैठक में नितिन कुमार अग्रवाल के प्रकरण में शेष बकाया राशि 15 दिवस के भीतर जमा कराने पश्चात ताला खोले जाने की अनुमति प्रदान की गई है। श्रीमती गीता दास से संबंधित प्रकरण में आवेदक द्वारा अधिकार के साथ राशि जमा किए जाने तथा शेष राशि की जानकारी सहित प्रकरण को आगामी बैठक में प्रस्तुत करने हेतु राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया गया। श्रीमती इंद्रजीत कोचर के प्रकरण में लीज डीड की अनुमति प्रदान की गई। श्रीमती कृष्णा अग्रवाल के प्रकरण में निगम आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील नहीं होने के कारण प्रकरण को अपील समिति में विचारार्थ योग्य नहीं माना गया। इसी प्रकार विजय कॉम्प्लेक्स, संतोष गोयल के प्रकरण में लीज नवीनीकरण संबंधी प्रकरण पर सुनवाई के पश्चात अनुमति प्रदान की गई।

बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, अपील समिति के सदस्य राजेंद्र बंजारे, अंजू सिंहा, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी सहित निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खेती-किसानी | यूरिया और पोटाश को एक साथ कभी न छिड़कें

*धान में कीट प्रकोप का कारण अत्यधिक यूरिया, संतुलित खाद का करें उपयोग : भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी ने कहा कि वर्तमान में धान की फसल में कीटों का प्रकोप उमस भरे मौसम, खेतों में ज्यादा पानी भराव और अत्यधिक यूरिया के उपयोग के कारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों की सलाह को अनदेखा कर किसान एक बार में एक बोरी यूरिया छिड़क देते हैं और पोटाश नहीं के बराबर देते हैं, जिससे कीट-व्याधि बढ़ती है।

अशोक चौधरी ने बताया कि यूरिया छिड़कने के 2 दिन पहले पोटाश का छिड़काव करने से रोकथाम में मदद मिलती है। पोटाश पौधे को कड़ा और कड़वा बनाता है, जिससे कीट नहीं पनपते, जबकि यूरिया से पौधा नरम और मीठा हो जाता है। उन्होंने बताया कि 50 किलो यूरिया में से पौधा केवल 13 किलो ही उपयोग करता है, बाकी भाप बनकर उड़ जाता है। इसलिए यूरिया को दो बार में डालना चाहिए, पहला रोपाई के 20-25 दिन बाद और दूसरा 50 दिन के भीतर। यूरिया और पोटाश को एक साथ कभी न छिड़कें। तना छेदक बुवाई के समय ही लग जाता है, इसलिए 20-25 दिन पर कीटनाशक डालना जरूरी है। बाद में छिड़काव करने से पूरा लाभ नहीं मिलता। किसानों को सलाह के लिए भारत सरकार की किसान हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1551 पर 24 घंटे कृषि वैज्ञानिक उपलब्ध हैं, जो रविवार को भी सेवा देते हैं।

स्कूल जाने निकले 3 नाबालिग दोस्त डोंगरगढ़ पहुंचे, छावनी पुलिस ने 6 घंटे में किया बरामद

दुर्ग। थाना छावनी क्षेत्र से स्कूल जाने के लिए निकले तीन नाबालिग बच्चों को पुलिस ने मात्र 6 घंटे के भीतर डोंगरगढ़ से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। 10 सितंबर की रात करीब 8 बजे एक परिजन ने थाना छावनी में सूचना दी कि उसका बेटा जो महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल, तीन दर्शन मंदिर में पढ़ता है, सुबह 11 बजे स्कूल के लिए निकला था। वह स्कूल पहुंचा तो अंदर जाने के बजाय दो दोस्तों के साथ कहीं चला गया। सूचना पर पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर तीनों बच्चों की तलाश शुरू की।

पुलिस टीम ने स्कूल से लेकर पावर हाउस रेलवे स्टेशन तक करीब 20 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ पढ़ने वाले बच्चों से पूछताछ में डोंगरगढ़ जाने की जानकारी मिली। इसके बाद टीम डोंगरगढ़ रवाना हुई और आरपीएफ व स्थानीय पुलिस से समन्वय किया।

रात करीब 2:30 बजे तीनों बच्चों को डोंगरगढ़ मंदिर के पास से सकुशल बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि यह कोई अपराध नहीं था, बच्चे बिना बताए घूमने निकल गए थे। दुर्ग पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों की गतिविधियों और दोस्तों पर ध्यान रखें और देरी होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार मिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(राप्रक/202609101000034/अ-6.अ/वर्ष 2025-26)

इस न्यायालय का रा.प्र.कें. 202609101000034/अ-6(अ) वर्ष 2025 26 आवेदक संजय कुमार यादव पिता/पति/विभाग-रामदयाल यादव पता-जुनवानी रोड फेस-2 भिलाई के द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 19 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 1946/131 रकबा 0.013 है. 1400 वगर्फीट विक्रेता श्रीमती नीलम श्रीवास्तव पति प्रदीप श्रीवास्तव से क्रय किया गया है। नामांतरण पश्चात निर्मित खसरा नबर 1946/145 रकबा 0.013 है./ 1400 वगर्फीट ऋण पुस्तिका में दर्ज है किन्तु वतर्मान अभिलेख में रकबा को 0.013 है के स्थान पर त्रुटिवश 0.010 है. अंकित कर दिया है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी रा. दुर्ग को प्रेषित आवेदन पत्र जांच हेतु इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त संबंध में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18/09/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/09/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

सार-समाचार

मुंबई सिटी एफसी ने डिफेंडर लाजार सिर्कोविच को एक साल के लिए साइन किया

मुंबई । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का आगामी सीजन 10 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है, जिससे पहले मुंबई सिटी एफसी ने सर्बियाई स्टार लाजार सिर्कोविच के साथ एक साल का करार किया है। निस (सर्बिया) में जन्मे लाजार ने साल 2010 में सर्बियाई सुपरलीगा क्लब 'राड' के साथ अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत की थी। वहां रहते हुए, उन्होंने लोन पर सर्बियाई लीग क्लब 'पालिक' के साथ भी अनुभव हासिल किया। साल 2014 में, लाजार सर्बिया के बड़े क्लब 'पार्टिजन' से जुड़े और टोटेनहम हॉटस्पर के खिलाफ यूईएफए यूरोपा लीग मैच में क्लब के लिए अपना आधिकारिक डेब्यू किया। पार्टिजन के साथ अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने दो सर्बियाई सुपरलीगा खिताब और एक सर्बियाई कप जीता और फिर स्विट्जरलैंड में 'लुजर्न', इजरायल में 'मकाबी नेतान्या' और हंगरी में 'कासार्डा' और 'होनवेड' जैसी टीमों के लिए खेले।

विमेंस एशिया कप

आईसीसी ने पाक बल्लेबाज पर जुर्माना लगाया

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में हांगकांग, चीन के खिलाफ सोमवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी बल्लेबाज गुल फिरोजा को सजा भुगतनी पड़ी है। उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही फिरोजा के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया। यह घटना पाकिस्तानी पारी के 5वें ओवर की है, जब फिरोजा को एलबीडब्ल्यू आउट

करार दिया गया। इसके बाद फिरोजा ने अपने बल्ले की ओर इशारा करके फैसले पर असहमति जताई। फिरोजा ने बताया कि गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगी थी।
गुल फिरोजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना शामिल है। यह फिरोजा का 24 महीनों की अवधि में दूसरा अनुशासनात्मक अपराध है।

बैलन डी'ओर 2026

पीएसजी और आर्सेनल समेत ये 5 क्लब 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' के लिए नामित

नई दिल्ली । पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, नॉर्वेजियन क्लब बोडो/ग्लिम्ट समेत ब्राजीलियन क्लब फ्लेमिंगो को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कार में 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। 'पीएसजी' इस अवॉर्ड के मौजूदा विजेता के तौर पर रेस में शामिल है। उन्होंने

एक शानदार सीजन में अपना दूसरा चैंपियंस लीग टाइटल जीता था। उनका घरेलू और इंटरनेशनल कैंपेन भी बहुत सफल रहा, जिसमें लीग 1, फ्रेंच सुपर कप, यूरोपियन सुपर कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते। पेरिस का यह क्लब यूरोप के टॉप क्लबों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद इस सम्मान को बरकरार रखने की उम्मीद करेगा। प्रीमियर लीग टाइटल के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने के बाद 'आर्सेनल' भी 5 नामित टीम में शामिल है। 'गनर्स' ने 22 साल बाद इंग्लिश चैंपियनशिप जीती और यूरोप में भी आगे बढ़कर एक मजबूत कैंपेन पूरा किया।
जर्मनी में एक और शानदार सीजन के बाद 'बायर्न म्यूनिख' शॉर्टलिस्ट में शामिल हुआ है। इस बड़े क्लब ने बुंडेसलीगा, जर्मन कप और जर्मन सुपर कप जीते, जिससे घरेलू स्तर पर उनका दबदबा साबित हुआ।

तिलक ने संभाली पारी, लेकिन 99 पर टूट गया दिल

चेपोक, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल में साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा शतक से महज एक रन दूर रह गए। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले के चौथे दिन साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रन की विशाल बढ़त मिल गई है।

ईस्ट जोन के 708 रन के विशाल स्कोर के जवाब में साउथ जोन पर शुरुआत से ही दबाव था। ऐसे समय में 23 वर्षीय तिलक वर्मा ने एक छोर संभालकर शानदार बल्लेबाजी की। वह लगातार दूसरी सेंचुरी और दलीप ट्रॉफी में अपना तीसरा शतक पूरा करने की कोशिश में थे, लेकिन 99 रन पर उनका सपना टूट गया।

साउथ जोन के नौ विकेट गिरने के बाद तिलक पर पारी को संभालने के साथ-साथ स्ट्राइक अपने पास रखने की जिम्मेदारी थी। शतक पूरा करने की कोशिश में उन्होंने ऑफ स्पिनर कुनैन कुरैशी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे गेंदबाज के हाथों में चली गई। इस तरह वह 99 रन पर आउट होकर पवेलियन लौटे।

मुकेश कुमार रहे ईस्ट जोन के स्टार गेंदबाज

साउथ जोन ने दिन की शुरुआत 242/6 के स्कोर से की थी। तिलक वर्मा और चामा मिलिंद ने शुरुआती दौर में पारी को संभाला। मिलिंद ने 43 रन की अहम पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही साउथ जोन का बल्लेबाजी क्रम बिखर गया।

साउथ जोन ने सिर्फ 18 रन के अंदर अपने चार विकेट गंवा दिए और पूरी टीम 336 रन पर ऑलआउट हो गई। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 3/62 का शानदार स्पेल किया। मोहम्मद शमी, शिखर मोहन और कुनैन कुरैशी ने भी दो-दो विकेट अपने नाम किए।

पहली पारी में साउथ जोन 336 रनों पर सिमटी

ईस्ट जोन के पास 372 रन की बड़ी बढ़त

साउथ जोन की पारी खत्म होते ही ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रन की बढ़त हासिल हो गई। अब मुकाबले में सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है और ईस्ट जोन ने खिताब जीतने की दिशा में बेहद मजबूत स्थिति बना ली है। ईस्ट जोन की इस बढ़त की नींव कप्तान ईशान किशन की शानदार 270 रन की पारी ने रखी थी। किशन ने अपनी पारी में 30 चौके और 7 छक्के लगाए थे और टीम को 708 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया था।

24 मैचों में औसत 58 से ज्यादा

तिलक वर्मा ने रेड-बॉल क्रिकेट में भी अपनी दावेदारी मजबूत की है। 24 फर्स्ट क्लास मैचों के बाद उनका बल्लेबाजी औसत 58 से ज्यादा है। उन्होंने अब तक 8 शतक और 7 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन की 270 रन की पारी दलीप ट्रॉफी फाइनल के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी है। उनसे आगे सिर्फ रमन लांबा हैं, जिन्होंने 1987 में नॉर्थ जोन के लिए फाइनल में 320 रन बनाए थे।

14 साल बाद खिताब जीतने की ओर

ईस्ट जोन ने 708 रन बनाने के बाद साउथ जोन को 336 रन पर समेट दिया है। इस तरह टीम के पास 372 रन की बढ़त है और मुकाबले में सिर्फ एक दिन बचा है। ऐसे में ईस्ट जोन के पास 14 साल बाद दलीप ट्रॉफी का खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। दूसरी ओर साउथ जोन को अब मुकाबले में वापसी के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। तिलक वर्मा का 99 रन पर आउट होना उनकी पारी का सबसे बड़ा अफसोस रहेगा, लेकिन उनकी इस पारी ने एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उनकी बढ़ती साख को साबित किया है।

तिलक का रेड-बॉल क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

तिलक वर्मा इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने पहली पारी में नाबाद 116 रन बनाकर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला था। उस समय साउथ जोन का स्कोर 80/5 था। इसके बाद दूसरी पारी में भी तिलक ने 181 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए 79 गेंदों में नाबाद 51 रन की पारी खेली थी।

बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंचा अब होगी भारत से भिड़ंत

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुरुवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार्य सुप्रिया और जननी थिरुक्कुमारन ने 1-1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

दीप्ति शर्मा छठवें स्थान पर आई, श्री चरणी शीर्ष पर कायम

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजों की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। वहीं, अनुभवी दीप्ति शर्मा को फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में श्री चरणी पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चार्ली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं। भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और भारतीय टीम को सेमीफाइनल में भारत की बढ़त में अहम भूमिका निभाई है। इंग्लैंड की लिंसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें है, और पाकिस्तान की नशरा संधु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप्प को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। इसके अलावा, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही कुछ अन्य गेंदबाजों को भी आईसीसी रैंकिंग में फायदा मिला है।

आयोजन समिति के आवास में ठहरेंगे क्रिकेटर

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार (8 सितंबर) को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, 'आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है।

एंटी-डोपिंग नियम तोड़ने पर भारतीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेंद्र चौधरी पर कार्रवाई

नई दिल्ली,। इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) ने सान्या में हुए छठे एशियन बीच गेम्स में ब्रिंजोलैमाइड के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद भारतीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेंद्र सिंह चौधरी पर एंटी-डोपिंग नियम तोड़ने के लिए कार्रवाई की है। आईटीए ने यह जानकारी मंगलवार को दी। बृजेंद्र चौधरी का यूरिन सैंपल 27 अप्रैल 2026 को एशियन बीच गेम्स के दौर कॉम्पिटिशन के समय डोपिंग कंट्रोल के लिए लिया गया था। सैंपल में ब्रिंजोलैमाइड के लिए 'एडवर्स एनालिटिफ इंडिंग' (नकारात्मक परिणाम) मिली, जो वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) की लिस्ट में प्रतिबंधित पदार्थ है। ब्रिंजोलैमाइड को वाडा की प्रतिबंधित लिस्ट में एक 'स्पेसिफाइड सब्सटेंस' (खास पदार्थ) के तौर पर वर्गीकृत किया गया है और य डाइयूरेटिक्स और मा एजेंट की एस5 कैटेगरी में आता है। यह प्रतियोगिता के दौरान और उसके बाहर, दोनों समय प्रतिबंधित है।

एथलीट ने एंटी-डोपिंग नियम तोड़ने और ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) के एंटी-डोपिंग नियमों के तहत लगाए गए नतीजों को स्वीकार कर लिया। नतीजतन, एशियन बीच गेम्स में उनके व्यक्तिगत नतीजों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है, जिसमें पुरुषों के बीच कबड्डी इवेंट में उनका दूसरा स्थान भी शामिल है।

चौधरी सान्या गेम्स में भारत की 6 सदस्यीय पुरुष कबड्डी टीम का हिस्सा थे। टीम में जितेंद्र यादव, यथार्थ देशवाल, नीरज, जय भगवान और भानु प्रताप तोमर भी शामिल थे।

भारत सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 50-27 से हराकर पुरुषों के फाइनल में पहुंचा था। हालांकि, टीम गोल्ड मेडल के मुकाबले में ईरान को नहीं हरा सकी और 44-31 से हार गई। हाफ-टाइम में भारत 11-23 से पीछे था और दूसरे हाफ में वापसी नहीं कर सका, जिससे ईरान ने गोल्ड मेडल जीत लिया। एशियन बीच गेम्स में पुरुषों की बीच कबड्डी में भारत का यह लगातार दूसरा सिल्वर मेडल था; इससे पहले पिछले एडिशन में भी टीम रनर-अप रही थी।

आईटीए ने लागू एंटी-डोपिंग नियमों के अनुसार ओसीए की ओर से यह कार्रवाई की। अब इस मामले को इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन को भेजा जाएगा, ताकि वे अपने नियमों के तहत आगे के नतीजों पर फैसला ले सकें। आईटीए ने कहा कि ओसीए के नजरिए से मामला सुलझा लिया गया है। जिन पक्षों को अपील करने का अधिकार है, वे ओसी के एंटी-डोपिंग नियमों के तहत 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट' (सीएएस) में इस फैसले को चुनौती दे सकते हैं।

इस बीच, भारत की महिला कबड्डी टीम ने सान्या में फाइनल में श्रीलंका को 47-31 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ ही महिला कबड्डी में लगातार छह एशियन बीच गेम्स का खिताब जीतने का भारत का सिलसिला जारी रहा।

महिला एशिया कप: यूएई को हरा सेमीफाइनल में पहुंचा बांग्लादेश

भारत से मुकाबला आज

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार (8 सितंबर) को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुरुवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा। ग्रुप ए में भारत पहले और पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। ग्रुप बी में श्रीलंका पहले और बांग्लादेश दूसरे नंबर पर रहा। यूएई ने टॉस जीतकर बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन ही बना पाई। शर्मिन अख्तर ने 31 गेंद पर 38 रनों की पारी खेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंद पर 23 रन बनाए। जुआरिया फिरदौस ने और नाहिदा अख्तर ने 16-16 रन बनाए।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार्य सुप्रिया और जननी थिरुक्कुमारन ने 1-1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

राबेया खान ने 3 विकेट लिए

मेहुल प्रणव कुलकर्णी ने नाबद 9, समायरा धरनीधरका ने 8, जननी थिरुक्कुमारन ने 6, रिनिथा रजिथ ने 5, इंधुजा नंदकुमार ने 3, ईशा ओजा ने 2 और सुरक्षा कोटे ने 1 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए राबेया खान ने 3, नाहिदा अख्तर और मरुफा अख्तर ने 2-2 विकेट लिए। सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।

फिर बदला भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग

एशियन गेम्स में पारंपरिक नीली जर्सी में खेलेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आएंगी। मीडिया सूत्रों ने हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के हवाले से लिखा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे।

इसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है। दिलीप टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा, ''मैंने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेगी।''

हाल ही में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था।

विवाद तब और बढ़ गया था जब दिलीप टिर्की ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है।

उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम जापान रवाना

भारतीय महिला हॉकी टीम जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और कोच शोर्ड मारिन नेतृत्व में भारतीय टीम मंगलवार आठ सितंबर 2026 को बेंगलुरु से रवाना हुई। एफआईएच के लॉस एंजिल्स 2028 क्वालिफिकेशन सिस्टम के तहत, 2026 एशियन गेम्स में महिला हॉकी कॉम्पिटिशन में सबसे ऊपर रहने वाली टीम लॉस एंजिल्स 2028 के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करेगी, बशर्ते उसने पहले किसी दूसरे रास्ते से क्वालिफाई नहीं किया हो। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल करना और लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करना होगा।

एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

- **गोलकीपर :** सविता, बिचू देवी खारीबम।
- **डिफेंडर :** इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास।
- **मिडफील्डर :** निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग।
- **फॉरवर्ड :** लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

हर्षवर्धन राणे ने जॉन अब्राहम और राम गोपाल वर्मा को बताया अपना गुरु

अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर उन लोगों को याद किया, जिन्होंने उन्हें एक बेहतर इंसान और इतने मुकाम तक पहुंचाने में मदद की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए उन रिश्तों की झलक दिखाई जो उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के दौरान बनाए हैं। पहली तस्वीर में अभिनेता हर्षवर्धन राणे एक्टर-प्रोड्यूसर जॉन अब्राहम के साथ हैं। दोनों एक तस्वीर में एक गर्मजोशी भरा पल शेयर करते दिख रहे हैं। एक और तस्वीर में फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा एक कुर्सी पर बैठे हैं, जबकि तीसरी फोटो में हर्षवर्धन एक्टिंग कोच सौरभ सचदेवा के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर शेयर कर अभिनेता ने लिखा, 'मेरे टीचर्स मेरे गॉडफादर के लिए। शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' इसके बाद उन्होंने एक और लाइन लिखी, 'मैं उनसे सीख रहा हूं बस काम करते रहना।'

अभिनेता हर्षवर्धन राणे जॉन अब्राहम को अपना मेंटर मानते हैं। बताया जाता है कि हर्षवर्धन राणे की जॉन से पहली मुलाकात 2004 में हुई थी, जब एक डिलीवरी बॉय के तौर पर उन्होंने जॉन अब्राहम को एक हेलमेट डिलीवर किया था। सालों बाद दोनों अब साथ में फिल्म 'फोर्स-3' में नजर आएंगे। जॉन अब्राहम इस फिल्म में एक बार फिर अपने लोकप्रिय और दमदार किरदार एसीपी यशवर्धन सिंह के रूप में लौट रहे हैं, जबकि हर्षवर्धन इस फिल्म में खलनायक (विलेन) या उनके आमने-सामने की टक्कर वाले रोल में दिखाई देंगे।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा (आरजीवी) और अभिनेता हर्षवर्धन राणे के बीच का बॉन्ड सिनेमाई जूनून, आपसी सम्मान और एक बड़े क्रिएटिव बदलाव पर टिका है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'पुलिस कंपनी' को राम गोपाल वर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो मुंबई एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की जिंदगी पर आधारित एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें एक्टर पुलिस वाले का रोल करेंगे। शूटिंग और फिजिकली मुश्किल रोल की तैयारी के साथ-साथ अभिनेता हर्षवर्धन राणे साइकोलॉजी (ऑनर्स) में बैचलर ऑफ आर्ट्स कर रहे हैं, जिसकी झलक वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दिखाते रहते हैं।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।' अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।' एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

बादशाह से अलग होने के बाद ईशा रिखी ने बताई 'बिग बॉस 20' में आने की वजह

मशहूर रैपर बादशाह से अलग होने के बाद अभिनेत्री ईशा रिखी की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। निजी जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखने वाली ईशा अब 'बिग बॉस 20' के घर में अपने बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अब वह अपने अतीत को बार-बार याद करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। बातचीत में ईशा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 'बिग बॉस' का हिस्सा बनूंगी। मैं काफी निजी स्वभाव की रही हूं और मुझे लगा करता था कि शो का माहौल और तरीका मेरी जिंदगी से बिल्कुल अलग है। जब मुझे शो का ऑफर मिला तो मैंने तुरंत हां नहीं की। मैंने काफी सोचा और अपनी उन झिझक पर भी विचार किया, जिसकी वजह से मैं इस शो से दूर रहना चाहती थीं। आखिरकार मैंने तय किया कि अब डर और हिचक को पीछे छोड़ने का समय है और फिर शो में जाने का फैसला किया।'' ईशा रिखी ने कहा, ''जिंदगी में कुछ बड़ा झेलने के बाद ही कई बार इंसान को अपनी असली ताकत का पता चलता है। मुझे भी अब लगता है कि मैं इस शो में खुद को संभाल सकती हूं और यहां टिक सकती हूं। मैंने जितना समय फिल्मी दुनिया में बिताया है, उसे देखते हुए मुझे हमेशा लगता था कि मैं 'बिग बॉस' जैसे शो के लिए सही नहीं हूं लेकिन धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि अगर इंसान के भीतर आत्मविश्वास है तो जगह मायने नहीं रखती। मैं कहीं भी जाऊं, अपनी पहचान बना सकती हूं।''

ईशा ने आगे कहा, ''यह शो मेरे लिए खुद को लोगों के सामने अपने तरीके से रखने का मौका है। ऑफर मिलने के बाद मेरे मन में यह भी था कि शो के जरिए दर्शकों को पता चल सकेगा कि मैं असल जिंदगी में कैसी हूं और मेरा स्वभाव कैसा है। एक कलाकार के लिए अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना आसान नहीं होता। लोगों की राय, चर्चाएं और तरह-तरह की बातें कई बार काम पर भी असर डालती हैं। मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है और कभी किसी दौड़ का हिस्सा बनने की कोशिश नहीं की।'' निजी जिंदगी से जुड़े सवालों पर भी ईशा ने कहा, ''आगे जो भी स्थिति आएगी, मैं उसे उसी समय संभालूंगी। मैं अब ऐसी बातों पर अपनी ज्यादा एनर्जी नहीं लगाना चाहतीं, जिनके बारे में मैं खुद बात नहीं करना चाहतीं। मैं हर किसी को सफाई नहीं दूंगी। जो बातें मैं साझा नहीं करना चाहती, उन्हें अपने तक ही रखूंगी।''

शो के अंदर होने वाले झगड़ों को लेकर भी ईशा ने कहा, ''घर में लड़ाई-झगड़े होना कोई नई बात नहीं है। असल जिंदगी में भी परिवार और दोस्तों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन 'बिग बॉस' के घर में यह सब किस स्तर तक जाएगा, इसका अंदाजा मुझे अभी नहीं है।''

'बिग बॉस 20' में ईशा की एंट्री ऐसे समय हुई है, जब उनकी निजी जिंदगी पहले से ही चर्चा में है। बादशाह और ईशा ने हाल ही में आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की थी।

अरबाज-मलाइका के बेटे के डेब्यू में सलमान का कैमियो

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान जल्द ही बतौर हीरो बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। सलमान खान अपने भतीजे की इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। जाहिर है, फिल्म में सलमान की मौजूदगी से अरहान के डेब्यू को बड़ा सपोर्ट मिल सकता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने अपने परिवार के किसी सदस्य के करियर को सपोर्ट करने के लिए फिल्मों में काम किया हो। सोहेल खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हो या उनका डायरेक्शन में कमबैक, सलमान ने दोनों मौकों पर भाई का साथ दिया और उनकी फिल्मों में लीड रोल कर कमान संभाली। वहीं, जब अरबाज खान की बतौर लीड एक्टर फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं, तब सलमान ने उन्हें अपनी फिल्मों में काम दिया और बाद में प्रोडक्शन और डायरेक्शन की दूसरी पारी में भी उनका साथ दिया। इतना ही नहीं, सलमान ने अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के पति आयुष शर्मा और बहन अलविरा अग्निहोत्री की बेटी अलिजेह अग्निहोत्री को भी अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए लॉन्च किया।

सोहेल खान के डायरेक्टोरियल डेब्यू का हिस्सा बने सलमान सोहेल खान ने साल 1997 में फिल्म 'औजार' से बतौर डायरेक्टर करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद सोहेल खान ने साल 1998 में 'प्यार किया तो डरना क्या' डायरेक्ट की। इस फिल्म में भी सलमान खान लीड रोल में नजर आए। सोहेल ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

सोहेल के डायरेक्टोरियल कमबैक को भी किया सपोर्ट साल 2002 में रिलीज हुई सोहेल खान की फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' में उन्होंने डायरेक्शन, प्रोडक्शन और एक्टिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। इसके बाद सोहेल ने डायरेक्शन से दूरी बना ली। करीब 12 साल बाद सोहेल खान ने साल 2014 में फिल्म 'जय हो' से बतौर डायरेक्टर कमबैक किया। इस फिल्म में भी सलमान खान ने लीड रोल निभाकर अपने भाई के डायरेक्टोरियल कमबैक को सपोर्ट किया।

सलमान की फिल्मों में सोहेल बने प्रोड्यूसर

सोहेल खान ने डायरेक्शन से ब्रेक के दौरान बतौर प्रोड्यूसर भी काम किया। वह सलमान खान की कई फिल्मों से प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े रहे। इनमें 'लकी: नो टाइम फॉर लव', 'मैंने प्यार क्यों किया?', 'पार्टनर', 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो', 'मैं और मिसेज खन्ना' और 'रेडी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इस तरह सलमान की फिल्मों के जरिए सोहेल का प्रोडक्शन करियर भी लगातार चलता रहा।

मैं किसी स्टार के पीछे नहीं भागता
25 साल बाद मनोज संग काम किया

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' आजादी की लड़ाई के उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है, जिनके बारे में कम चर्चा हुई। यह सीरीज संजीव सान्याल की किताब 'रेवोल्यूशनरीज: द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है। बातचीत में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने बताया कि 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के बाद उन्हें लगा कि ऐसी कहानियों में यूथ का नजरिया मिसिंग था। उन्होंने प्रतिभा रांटा की तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह शो के लिए मना कर देतीं तो उनका दिल टूट जाता। निखिल ने मनोज बाजपेयी का किस्सा भी सुनाया, जिन्होंने 25 साल बाद साथ काम करने पर पूछा था- 'अब आए हो?'

'द रिवोल्यूशनरीज' में ऐसा क्या था, जो आपको पहले की कहानियों में मिसिंग लगा?

मुझे लगा कि यूथ मिसिंग था। हमने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, ऊधम सिंह और जलियांवाला बाग के बारे में बहुत पढ़ा है। लेकिन इनसे करीब 10 साल पहले भी एक समानांतर कहानी चल रही थी। रिसर्च करते हुए मुझे लगा कि इन युवाओं की कहानी भी बतानी चाहिए। उस समय के क्रांतिकारियों में एक अलग तरह का जुनून था। उन्होंने तय कर लिया था कि अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना है। कैसे करेंगे, यह बाद की बात थी। यही जुनून मुझे इस कहानी में सबसे ज्यादा आकर्षित करता है।

प्रतिभा रांटा में आपको वह प्रतिभा कब नजर आई, जो इस किरदार के लिए जरूरी थी?

मेरे लिए किसी एक्टर के पास जाना सिर्फ कास्टिंग नहीं है। मैं किसी कलाकार के पास तब तक नहीं जाना चाहता, जब तक मेरे पास उसके लिए ऐसा कुछ न हो, जिसमें वह पूरी तरह डूब सके। प्रतिभा के मामले में भी ऐसा ही था। मुझे पता था कि वह बहुत अच्छी एक्टर हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी था कि वह किरदार को किस तरह अपने अंदर उतारेंगी। हमने कई सीन्स पर महीनों चर्चा की। एक-एक लाइन पर बात की कि इसका मतलब क्या है और इसे किस तरह करना है। अगर प्रतिभा ने इस शो के लिए मना कर दिया होता, तो मैं सच में मेरा दिल टूट हो जाता। क्योंकि उन्होंने इस किरदार के लिए जो दिया है, वह बहुत खास है। मैं हमेशा मानता हूं कि एक एक्टर के अंदर यह चुनौती होनी चाहिए कि क्या मैं इस सीन को और बेहतर कर सकता हूं? क्या मैं इसे पेपर पर लिखे हुए सीन से आगे ले जा सकता हूं? अगर यह चुनौती नहीं है तो काम बोरिंग हो जाता है।

आपने कहा कि आप किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नहीं लेते कि वह बड़ा नाम है। मनोज बाजपेयी का 25 साल वाला किस्सा क्या है?

मनोज बाजपेयी मुझसे करीब 25 साल से कहते रहे थे कि मेरे साथ काम करना है। जब मैं आखिरकार उनके पास 'सत्यमेव जयते' लेकर गया तो उन्होंने मुझसे कहा- 'अब आए हो?'

मैं किसी बिजी स्टार के पीछे भागने में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए जरूरी है कि मेरे पास उस कलाकार के लिए सही किरदार हो। मैं किसी एक्टर के पास सिर्फ इसलिए नहीं जाता कि वह बड़ा नाम है। मुझे ऐसा किरदार लेकर जाना होता है, जिसमें वह अपने दांत गड़ा सके और पूरी तरह डूब सके।

क्या 'द रिवोल्यूशनरीज' जैसी कहानी पर फिल्म भी बनाई जा सकती है?

बिल्कुल बनाई जा सकती है। लेकिन मुझे सीरीज का फॉर्मेट पसंद है, क्योंकि इसमें किरदारों को ज्यादा गहराई से एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। इसमें रोमांस है, एक्शन है और कई किरदारों की अपनी अलग परतें हैं।

अगर यह फिल्म होती तो भी मैं इन्हीं कलाकारों के साथ काम करता। मैंने रोहित, प्रतिभा और बाकी कलाकारों को इसलिए चुना क्योंकि वे मेरे दिमाग में मौजूद किरदारों के लिए बिल्कुल सही थे। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि फॉर्मेट ओटीटी है या फिल्म। सही कलाकार और सही किरदार सबसे ज्यादा जरूरी हैं।

आसान नहीं है सच के साथ खड़े रहना : प्रो. संजय द्विवेदी

आबू रोड में तीन दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का भव्य शुभारंभ, 2000 से अधिक मीडियाकर्मी हैं सहभागी

नई दृष्टिबिंदु / मानसरोवर आबू रोड

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के मीडिया एवं पी आर विंग द्वारा राष्ट्रीय मीडिया महा सम्मेलन का आज आबू रोड स्थित मानसरोवर के दिव्य शक्ति अनुभूति हॉल में श्रेष्ठ विश्व के निर्माण हेतु सशक्त मीडिया विषय पर भव्य शुभारंभ समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मान सिंह परमार, नई दिल्ली से भारत न्यूज नेटवर्क के सीईओ डॉ. सरफराज सैफी, न्यूज इंडिया टीवी के एडिटर इन चीफ राणा यशवंत, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो.संजय द्विवेदी, मीडिया एवं पीआर विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजयोगी बीके करुणा भाई, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा बीके सरला बहन, राष्ट्रीय संयोजक बी के निकुंज भाई, जयपुर से ब्रह्माकुमारीज सबजोन इंचार्ज बीके सुषमा दीदी, मीडिया विंग की जोनल कॉर्डिनेटर बहन बीके चंद्रकला उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय संबोधन में राजयोगी बीके करुणा ने कहा कि भारत विश्व गुरु बने इसके लिए हम सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। पूर्व कुलपति डॉ. मान सिंह परमार ने कहा कि पूरे विश्व में जब हम श्रेष्ठ विश्व की बात करते हैं तो हम देखते हैं कि इस समय विश्व कि हालात क्या हैं। हमें शांति, एकता, विश्वास की भावना के साथ ऐसा विश्व चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। उन्होंने पुरजोर अंदाज में कहा कि भारत के संविधान में भी विश्व बंधुत्व की बात कही गई है, भारत की संस्कृति, बहुत प्राचीन संस्कृति रही है। वहीं सर्वे भवन्तुः सुखिनाः के तर्ज पर हमें अपनी मूल भावना को सबके सामने रखना होगा। प्रख्यात एंकर डॉ. सरफराज सैफी ने कहा कि यह हमारी खुशनसीबी है कि मैं ब्रह्माकुमारीज संस्थान में दूसरी बार आया हूँ। मैंने यहां से बहुत कुछ सीखा है, मैं यह दावे के साथ कहा सकता हूँ कि 1500 से अधिक पत्रकार दो दशक में पहली बार किसी कार्यक्रम में एक मंच के नीचे बैठे है, यह हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है। आज हम कई बार वायरल पोस्ट को सच मान लेते है लेकिन उसकी पड़ताल नहीं करते हैं। श्री शैफी ने कहा कि हम अंदर से ब्रांडेड तब बनेंगे जब हम सभी धर्म के सिद्धांतों का पालन करेंगे। आज के समय में हम सबको बहुत सकारात्मक होने की जरुरत है, ब्रह्माकुमारीज इस दिशा में अच्छा काम कर रही है। कार्यक्रम में बीके निकुंज भाई ने भी सकारात्मक विचार रखे एवं पधारे सभी अतिथियों का अभिन्दन भी किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन बीके चंद्रकला बहन ने किया।

भरोसा बनाए मीडिया

इस मौके पर प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि यह अध्यात्म की भूमि है, ईश्वर ने इस जगह का चयन किया है तो जरूर यहाँ कुछ खास है। पत्रकारिता को आज साहस और अध्यात्म की जरुरत है। हमारी पत्रकारिता की जो भाव भूमि है वह ध्येयनिष्ठ पत्रकारिता है। आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के 25 विंग संचालित हो रहे हैं, जो २४ घंटे एक्टिव है और उच्च पत्रकारिता के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बखूबी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जहाँ पर संवाद नहीं होगा तो विवाद होंगे, लेकिन हम संवाद के माध्यम से अपनी हर समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोगों को मनुष्य बनाने की आवश्यकता है, आदमी से इंसान बनने का एक प्रोसेस है। उन्होंने कहा कि मीडिया की पहली चीज भरोसा है, भरोसा तब बनता है जब आप सच के साथ खड़े होते हैं। नित्य जीवन में सच पर खड़े रहना आसान नहीं है। हमें धर्म के मार्ग पर चलना पड़ेगा।

साइबर युद्ध का खतरा

कार्यक्रम में राणा यशवंत ने अपने उद्बोधन में एआई के बारे में उदाहरण देते हुए बताया कि ए आई आज हमारे लिए कई विषयों में सहायक की भूमिका अदा कर रहा है लेकिन एआई के द्वारा पूरी दुनिया में एक ऐसी ताकत तैयार करने की होड़ चल रही है जो इंसान की पकड़ से बाहर होगा। आज की तारीख में कई देश सायबर युद्ध की दिशा में आगे बढ़ रहे है, वहीं मनुष्य की बेसिक जरुरत क्या है इसके बारे में कोई विचार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह साइंस और टेक्नोलॉजी के दौर में हम सभी एक बहुत खतरनाक मोड़ पर खड़े है इसकी भनक हमें नहीं है तो हम धोखे में है। उन्होंने कहा कि भारत हर मामले में दूसरे देशों से कमतर साबित न हो इसके लिए हमें और सजग होने की आवश्यकता है।

डबल इंजन सरकार ने फिर एक कोल ब्लॉक अडानी को सौंपा-दीपक बैज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर हसदेव अरण्य क्षेत्र का एक और कोल ब्लॉक अडानी समूह को सौंपने का आरोप लगाया है।

प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बैज ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा की गई नीलामी में हसदेव अरण्य वन क्षेत्र का तारा कोल ब्लॉक उत्र्ङ्क र८ल्ल-त्र्ङ्क्र 'ल्ल् ॐ'२ छेज्ञी नाम की कंपनी को मिला है, जो अडानी इंटरप्राइजेज की सहयोगी कंपनी मूंदड़ा सिनर्जी लिमिटेड की सब्सिडियरी है। भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य के जल, जंगल, जमीन को अडानी पर लुटाया जा रहा है। बैज ने बताया कि तारा कोल ब्लॉक लगभग 5000 एकड़ में फैला है, जिसमें 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है। इसके लिए 10 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई होगी। लेमरू एलीफेंट रिजर्व के चारों ओर खनन होने से हाथियों के कॉरिडोर पर गंभीर असर पड़ेगा और वन्यजीव खतरे में पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय 26 जुलाई 2022 को विधानसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मांग की गई थी कि हसदेव अरण्य में किसी भी कोल ब्लॉक की नीलामी न हो। 16 जुलाई 2023 को भूपेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर भी नई खदानों की आवश्यकता नहीं होने की बात कही थी। इसके बाद 19 अक्टूबर 2023 को केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने तारा सहित 40 ब्लॉक्स को डीनोटिफाई कर दिया था, लेकिन सरकार बदलते ही फिर से नीलामी कर दी गई। भाजपा जनता के लिए नहीं, अडानी के लिए सरकार चला रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा के ट्रांसपोर्ट नगर का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ट्रक मालिक संघ के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ट्रांसपोर्ट नगर की वतर्मान व्यवस्था का जायजा लिया और क्षेत्र में यातायात के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने ट्रक मालिक संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए ट्रांसपोर्ट नगर के लिए उपयुक्त स्थान के चयन के संबंध में भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि शहर में भारी वाहनों के आवागमन को व्यवस्थित करने तथा आम नागरिकों को यातायात संबंधी असुविधा से राहत दिलाने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर की बेहतर एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था आवश्यक है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, श्री मनीराम साहू, श्री राजेन्द्र मिश्रा, श्री रिंकेश वैष्णव, श्री हेमचंद चंद्रवंशी, श्री सचिन गुप्ता, श्री अमित वर्मा सहित ट्रक मालिक संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कल्पनाशीलता में भी तार्किकता जरूरी है-डॉ अम्बरीष त्रिपाठी

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई नगर।

संधान जन कल्याण समिति के तत्वावधान में बुधवार को साहित्यकार डॉ भगवती साहू के प्रथम कहानी संग्रह ह्यराहगीरह्न का विमोचन सिविक सेंटर स्थित भिलाई निवास कॉफी हाउस के सभागार में किया गया। विमोचन समारोह में साहित्य जगत की जानी-मानी हस्तियों, भाषाविदों और साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति रही। समारोह में साहित्यकारों ने कहानी संग्रह के भाषा शिल्प और सौंदर्य, वैचारिक सरोकारों के साथ ही वतर्मान सामाजिक संदर्भों में उसकी प्रासंगिकता पर सार्थक विमर्श किया। समिति के सचिव एवं शिक्षाविद डॉ देवेंद्र नाथ शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि किसी भी रचनाकार के लिए उसकी पहली कृति का विमोचन किसी उत्सव से कम नहीं होता। यह उसकी लेखन यात्रा के प्रमाणीकरण का महत्वपूर्ण क्षण होता है। डॉ भगवती साहू ने कहा कि ह्यराहगीरह्न में उन्होंने अपने आसपास की घटनाओं को शब्दों में पिरोने का प्रयास किया है।

उन्हें विश्वास है कि संग्रह की कहानियां पाठकों के मर्म को अवश्य स्पर्श करेंगी।

वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव ने अध्यापन के साथ लेखन जारी रखने के लिए डॉ भगवती साहू के साहस की सराहना की। उन्होंने संग्रह की प्रथम कहानी ह्यगुंजनह्न की गूंगी पात्र तथा अंतिम कहानी ह्यकल्पना के बदरंग चित्रह्न की पात्र हिना के माध्यम से संग्रह की विविधता को रेखांकित किया। डॉ अम्बरीष त्रिपाठी ने कहानी संग्रह की भाषा-शैली और वाक्य विन्यास पर समीक्षात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि कल्पनाशीलता में भी तार्किकता जरूरी है। रचनाकार गुलबीर सिंह भाटिया ने कहा कि साहित्यिक समीक्षा केवल प्रशंसा पाने के लिए नहीं, बल्कि कुछ जानने और सीखने के लिए भी होती है। डॉ रमेश अनुपम ने मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हिंसक हो रहे समाज में रचनाकारों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। अपनी रचनाओं में समाज की विद्रूपताओं पर गंभीर प्रतिक्रियाओं को रचनाकारों शामिल करना चाहिए। वहीं डॉ अभिनेष सुराना ने कहा कि डॉ भगवती की कहानियों में ग्रामीण परिवेश और शहरी वातावरण का वास्तविक चित्रण देखने को मिलता है। कथाकार लोक बाबू ने प्रथम कहानी संग्रह के लिए डॉ भगवती साहू को बधाई दी।

सभी अतिथि साहित्यकारों का सम्मान

कार्यक्रम का संचालन कवि शरद कोकास ने किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों एवं कथाकार डॉ भगवती साहू का शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं कुंड पादप भेंटकर सम्मान किया गया। सुरेश सिंह परिहार ने कहानी संग्रह की कहानी ह्यमेहनत की स्याही से लिखी जीवन की इबारतह्न का प्रभावपूर्ण वाचन भी किया। समारोह में कवयित्री संतोष झांझी, व्यंग्यकार विनोद साव, लेखिका डॉ अंजना श्रीवास्तव, शायर मुमताज, बाल साहित्यकार कमलेश चंद्राकर, नाट्य निर्देशक विभाष उपाध्याय, विजय दिल्लीवार, शुचि भवि, डॉ अचर्ना झा, टी सहदेव, दीपक दास, डॉ रूपमती साहू, शंभू राम साहू, डॉ मेघा साहू, नीलम जायसवाल और विनोद साहू समेत कई साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

बीएसपी के सेक्टर-9 अस्पताल में बिजली गुल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-9 में आज दोपहर अचानक बिजली गुल हो गई। बताया जा रहा है कि इतिहास में पहली बार सेक्टर-9 अस्पताल की इस तरह बिजली बाधित हुई है। अचानक बिजली जाने से अस्पताल के वार्डों, ओपीडी और जांच विभागों में अफरा-तफरी मच गई। मरीज और उनके परिजन घंटों परेशान होते रहे। गर्मी और उमस में भर्ती मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार प्रबंधन का बैकअप प्लान भी पूरी तरह फेल हो गया। जनरेटर और वैकल्पिक व्यवस्था समय पर शुरू नहीं हो सकी, जिससे गंभीर मरीजों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से अभी तक बिजली गुल होने के कारणों पर आधिकारिक बयान नहीं आया है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100